छठवाँ अध्याय
सुवन्त या शब्दरूप प्रकरण

भाषा का आधार वाक्य है और वाक्य का आधार शब्द। शब्दों की रचना वर्णों के मेल से होती है।

जो कान से सुनायी पड़ता है, वह शब्द है। एक या एक से अधिक अक्षरों के योग से बनी हुई स्वतन्त्र सार्थक ध्वनि को शब्द कहते हैं। जैसे–''देवा पि तं नमंसंति'' वाक्य में देवा, पि–अपि, तं और नमंसंति शब्द हैं। शब्द दो प्रकार के होते हैं–सार्थक और निरर्थक। सार्थक शब्द की पदसंज्ञा होती है। व्याकरणशास्त्र में सार्थक शब्द का ही विवेचन किया जाता है। पद–सार्थक शब्द मूलतः दो प्रकार के हैं–संज्ञा और क्रिया।

प्राकृत में रूपान्तर के अनुसार पदों के दो भेद हैं–विकारी और अविकारी। जिस सार्थक शब्द के रूप में विभक्ति या प्रत्यय जोड़ने से विकार या परिवर्तन होता है, उसे विकारी कहते हैं। यथा–देवो, देवा, पढइ, पढन्ति आदि। विकारी–परिवर्तनशील सार्थक शब्दों के संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया और विशेषण ये चार मूल भेद हैं। अविकारी पद अव्यय कहलाते हैं।

प्राचीन वैयाकरणों ने नाम, आख्यात और अव्यय ये तीन ही प्रकार के शब्द माने हैं। सर्वनाम, संख्यावाचक और विशेषण भी नाम के अन्तर्गत हैं। नाम को प्रातिपदिक कहा गया है। प्रातिपदिकों के साथ सुप् प्रत्यय लगाने से संज्ञा पद बनते हैं। प्रत्येक संज्ञा के पुल्लिंग, स्त्रीलिंग और नपुंसकलिंग ये तीन लिंग होते हैं।

प्राकृत भाषा में संस्कृत के समान लिंगभेद स्वाभाविक स्थिति पर निर्भर नहीं हैं, बल्कि यह लिंगभेद कृत्रिम हैं। उदाहरणार्थ स्त्री का अर्थ बतलाने के लिए दारो, भज्जा और कलत्तं–ये तीन शब्द प्रचलित हैं। इनमें दारो पुल्लिंग, भज्जा स्त्रीलिंग और कलत्तं नपुंसकलिंग हैं। इसी प्रकार शरीर का बोध कराने वाले शब्दों में लिंगभेद वर्तमान है। यथा–तणू स्त्रीलिंग, देहो पुल्लिंग और सरीरं नपुंसकलिंग हैं। कई शब्द ऐसे हैं, जिनके रूप एक से अधिक लिंगों में चलते हैं। किन्हीं पुल्लिंग शब्दों में प्रत्यय जोड़ने से भी स्त्रीलिंग शब्द बनते हैं और किन्हीं प्रत्ययों के योग से नपुंसक लिंग के शब्द बन जाते हैं। इतना होने पर भी प्राकृत में संस्कृत के समान ही शब्द प्रायः नियतलिंगी हैं–शब्दों के लिंग निर्धारित हैं।

FOR PRIVATE & PERSONAL USE ONLY

प्राकृत में लिंग तीन, पर वचन दो ही–एकवचन और बहुवचन होते हैं। इसमें द्विवचन को स्थान प्राप्त नहीं है।

प्राकृत में तीन पुरुष होते हैं–उत्तमपुरुष, मध्यमपुरुष और प्रथमपुरुष। प्रथमपुरुष को अन्यपुरुष भी कहा जाता है। कर्ता, कर्म, करण, सम्प्रदान, अपादान, संबंध और अधिकरण इन सात कारकों को प्रथमा, द्वितीया, तृतीया, चतुर्थी, पंचमी, षष्ठी और सप्तमी विभक्ति कहा जाता है; किन्तु प्राकृत में चतुर्थी विभक्ति का स्वतन्त्र अस्तित्व नहीं है। इसके स्थान पर षष्ठी विभक्ति का ही प्रयोग मिलता है।

विभिन्न विभक्तियों को प्रकट करने के लिए प्रातिपदिकों में जो प्रत्यय लगाये जाते हैं, उन्हें 'सुप्' कहते हैं। इसी प्रकार विभिन्न काल की क्रियाओं का अर्थ प्रकट करने के लिए जो प्रत्यय जोड़े जाते हैं, उन्हें 'तिङ्' कहते हैं। सुप् और तिङ् को वैयाकरण 'विभक्ति' ही कहते हैं।

प्राकृत में चार प्रकार के शब्द पाये जाते हैं–

अकारान्त–अ और आ से अन्त होने वाले शब्द; इकारान्त–इ और ई से अन्त होने वाले शब्द, उकारान्त–उ और ऊ से अन्त होने वाले शब्द, एवं हलन्त-जिनके अन्त में व्यंजन अक्षर आये हों।

पर विशेषता यह है कि प्रयोग में हलन्त शब्द उपलब्ध नहीं हैं; अतः इनके स्थान पर भी शेष तीन प्रकार के शब्दों में से ही किसी प्रकार के शब्द का प्रयोग होता है। इस प्रकार प्राकृत में तीन ही प्रकार के शब्द–अकारान्त, इकारान्त और उकारान्त व्यवहृत होते हैं।

(१) पुंल्लिंग में ह्रस्व अकारान्त शब्दों के आगे आने वाली प्रथमा विभक्ति के एकवचन में सुप्रत्यय के स्थान में ओ आदेश होता है[१]। यथा–

देवो < देवः; हरिअंदो < हरिश्चन्द्रः; जिणो < जिनः; वच्छो < वृक्षः आदि।

(२) पुंल्लिंग के ह्रस्व अकारान्त शब्दों में जस् (प्रथमा बहुवचन), शस् (द्वितीया बहुवचन), ङसि (पंचमी एकवचन) और आम् (षष्ठी बहुवचन) विभक्तियों में अन्त्य अ के स्थान में आ आदेश होता है तथा जस् और शस् विभक्तियों का लोप होता है[२]। शस् प्रत्यय के रहने पर विकल्प से एत्व होता है[३]। यथा–

देव + जस् = देवा < देवाः; देव + शस् = देवा, देवे < देवान्।

णउल + जस् = णउला < नकुलाः; णउल +शस्=णउला, णउले < नकुलान्।

---

१. अतः सेर्डोः ८।३।२. हे.।
२. जस्–शसोर्लुक् ८/३।४. हे.।
३. टाण–शस्येत् ८।३।१४. हे.।

FOR PRIVATE & PERSONAL USE ONLY

(३) ह्रस्व अकारान्त शब्दों से पर में आने वाले अम् के अकार का लोप होता है[१]। यथा–

देव + अम् = देवं < देवम्, णउल + अम् = णउलं < नकुलम्।

(४) ह्रस्व अकारान्त शब्दों से पर में आने वाले टा–तृतीया विभक्ति के एकवचन और आम्–षष्ठी के बहुवचन के स्थान में ण आदेश होता है और ट प्रत्यय के रहने से अ को एत्व हो जाता है। तृतीया एकवचन और षष्ठी के बहुवचन में ण के ऊपर विकल्प से अनुस्वार हो जाता है[२]। यथा–

देव + टा = देवेण, देवेणं < देवेन; देव + आम् = देवाण, देवाणं < देवानाम्।

(५) ह्रस्व अकारान्त शब्दों से पर में आने वाले भिस् के स्थान में हि आदेश होता है और अकार को एत्व हो जाता है, तथा हि के ऊपर विकल्प से अनुनासिक और अनुस्वार भी होते हैं[३]। यथा–

देव + भिस् = देवेहि, देवेहिँ, देवहिं < देवैः।

णउल + भिस् = णउलेहि, णउलेहिँ, णउलेहिं < नकुलैः।

(६) ह्रस्व अकारान्त शब्दों से पर में आने वाले ङसि–पंचमी एकवचन के स्थान में त्तो, दो, दु, हि और हिन्तो आदेश होते हैं[४]। दो और दु के दकार का लुक् भी होता है। जैसे–

देव + ङसि = देवत्तो, देवादो–देवाओ, देवादु–देवाउ, देवाहि और देवाहिन्तो < देवात्–यहाँ नियम-२ के अनुसार अ का आत्व हुआ है।

(७) ह्रस्व अकारान्त शब्दों से पर में आने वाले भ्यस्–पंचमी बहुवचन के स्थान में त्तो, दो, दु, हिं, हिंतो और सुंतो आदेश होते हैं[५]। तथा विकल्प से दीर्घ होता है। यथा–

देव + भ्यस् = देवत्तो, देवादो–देवाओ, देवादु–देवाउ, देवाहि, देवेहि, देवाहिंतो, देवेहिंतो, देवेसुंतो, देवासुंतो < देवेभ्यः।

(८) ह्रस्व अकारान्त शब्दों से पर में आने वाले ङस्–षष्ठी एकवचन के स्थान में 'स्स' आदेश होता है[६]। यथा–

देव + ङस् = देवस्स < देवस्य; णउल + ङस् = णउलस्स < नकुलस्य।

(९) ह्रस्व अकारन्त शब्दों से पर में आने वाले ङि–सप्तमी एकवचन के स्थान में ए और म्मि आदेश होते हैं[७] तथा अकार को एत्व होता है। यथा–

---

१. अमोस्य ८।३।५. हे.। २. टा–आमोर्णः ८।३।६. हे.।

३. भिसी हि हिँ हिं ८।३।७. हे.। ४. ङसेस् त्तो-दो-दु-हि-हिन्तो–लुकः ८।३।८ हे.।

५. भ्यसस् त्तो-दो दु-हि-हिन्तो–सुन्तो ८।३।९ हे.।

६. ङसः स्सः ८।३।१० हे.। ७. डे म्मि डेः ८।३।११ हे.।

FOR PRIVATE & PERSONAL USE ONLY

देव + ङि = देवे, देवम्मि < देवे; णउले, णउलम्मि < नकुले।

(१०) ह्रस्व अकारान्त शब्दों से पर में आने वाले सुप्–सप्तमी विभक्ति बहुवचन में हलन्त्य प् का लोप हो जाता है और अकार को एत्व तथा सु के ऊपर विकल्प से अनुस्वार होता है। यथा–

देव + सुप् = देवेसु, देवेसुं < देवेषु।

(११) उक्त नियमों के अनुसार पुल्लिंग अकारान्त शब्दों के लिए विभक्ति चिह्न निम्नांकित हैं–

	प्राकृत विभक्ति चिह्न		संस्कृत विभक्ति चिह्न	
प्रा. सं.	एक.	बहु.	एक.	बहु.
पढमा < प्रथमा–	ओ	आ	सु (:)	जस् (आः)
वीआ < द्वितीया–		ए, आ	अम्	शस् (आन्)
तइआ < तृतीया –	ण, णं	हि, हिँ, हिं	टा (आ)	भिस् (भिः)
चउत्थी < चतुर्थी–	[य, आ, ए विकल्प से]	ण, णं	ङे(ए)	भ्यस् (भ्यः)
पंचमी < पञ्चमी–	त्तो, ओ, उ, हि, हिंतो	त्तो, ओ, उ, हि, हिंतो, सुंतो	ङसि (अः)	भ्यस् (भ्यः)
छट्ठी < षष्ठी–	स्स	ण, णं	ङस् (अः)	आम्
सत्तमी < सप्तमी–	ए, म्मि	सु, सुं	ङि (इ)	सुप् (सु)
संबोहण < संबोधन–	आ, ओ, लुक्	आ	सु	जस्

अकारान्त शब्दों के रूप

देव

	एकवचन	बहुवचन
प.–	देवो	देवा
वी.–	देवं	देवा, देवे
त.–	देवेण, देवेणं	देवेहि, देवेहिँ, देवेहिं
च.–	देवस्स, (देवाय)	देवाण, देवाणं
पं.–	देवत्तो, देवाओ, देवाउ, देवाहि, देवाहिंतो, देवा	देवत्तो, देवाओ, देवाउ, देवाहि, देवेहि, देवाहिंतो, देवेहिंतो, देवासुंतो, देवेसुंतो
छ.–	देवस्स	देवाण, देवाणं
स.–	देवे, देवम्मि	देवेसु, देवेसुं
सं.–	हे देवो, हे देवा	हे देवा

FOR PRIVATE & PERSONAL USE ONLY

वीर

	एकवचन	बहुवचन
प.–	वीरो	वीरा
वी.–	वीरं	वीरे, वीरा
त.–	वीरेण, वीरेणं	वीरेहि, वीरेहिँ, वीरेहिं
च.–	वीरस्स (वीराय)	वीराण, वीराणं
पं.–	वीरत्तो, वीराओ, वीराउ, वीराहि, वीराहिंतो, वीरा	वीरत्तो, वीराओ, वीराउ, वीराहि, वीरेहि, वीराहिंतो, वीरेहिंतो, वीरासुंतो, वीरेसुंतो
छ.–	वीरस्स	वीराण, वीराणं
स.–	वीरे, वीरम्मि (वीरंसि)	वीरेसु, वीरेसुं
सं.–	हे वीरो, हे वीरा	हे वीरा

जिण (जिन)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	जिणो	जिणा
वी.–	जिणं	जिणा, जिणे
त.–	जिणेण, जिणेणं	जिणेहि, जिणेहिँ, जिणेहिं
च.–	जिणस्स, जिणाय	जिणाण, जिणाणं
पं.–	जिणत्तो, जिणाओ, जिणाउ, जिणाहि, जिणाहिंतो, जिणा	जिणत्तो, जिणाओ, जिणाउ, जिणाहि, जिणेहि, जिणाहिंतो, जिणेहिंतो, जिणासुंतो, जिणेसुंतो
छ.–	जिणस्स	जिणाण, जिणाणं
स.–	जिणे, जिणम्मि, जिणंसि	जिणेसु, जिणेसुं
सं.–	हे जिणो, हे जिणा	हे जिणा

वच्छ < वृक्ष

	एकवचन	बहुवचन
प.–	वच्छो	वच्छा
वी.–	वच्छं	वच्छा, वच्छे
त.–	वच्छेण, वच्छेणं	वच्छेहि, वच्छेहिँ, वच्छेहिं
च.–	वच्छस्स, वच्छाय	वच्छाण, वच्छाणं
पं.–	वच्छत्तो, वच्छाओ, वच्छाउ, वच्छाहि, वच्छाहिंतो, वच्छा	वच्छत्तो, वच्छाओ, वच्छाउ, वच्छेहि, वच्छाहि, वच्छाहिंतो, वच्छेहिंतो, वच्छासुंतो, वच्छेसुंतो

FOR PRIVATE & PERSONAL USE ONLY

छ.–	वच्छस्स	वच्छाण, वच्छाणं
स.–	वच्छे, वच्छम्मि, वच्छंसि	वच्छेसु, वच्छेसुं
सं.–	हे वच्छो, हे वच्छा	हे वच्छा

धम्म < धर्म

	एकवचन	**बहुवचन**
प.–	धम्मो	धम्मा
वी.–	धम्मं	धम्मा, धम्मे
त.–	धम्मेण, धम्मेणं	धम्मेहि, धम्मेहिँ, धम्मेहिं
च.–	धम्मस्स, धम्माय	धम्माण, धम्माणं
पं.–	धम्मत्तो, धम्माओ, धम्माउ धम्माहि, धम्माहिंतो, धम्मा	धम्मत्तो, धम्माओ, धम्माउ, धम्माहि, धम्मेहि, धम्माहिंतो, धम्मेहिंतो, धम्मासुंतो, धम्मेसुंतो
छ.–	धम्मस्स	धम्माण, धम्माणं
स.–	धम्मे, धम्मम्मि, धम्मंसि	धम्मेसु, धम्मेसुं
सं.–	हे धम्मो, हे धम्मा	हे धम्मा

अवमाण (अपमान), अलोग (अलोक), आयार (आचार), उज्जम (उद्यम), उवएस (उपदेश), कुढार (कुठार), कोह (क्रोध), चन्द (चन्द्र), जिणेसर, देह, नाय (न्याय), नरिंद (नरेन्द्र), निरय (नरक), बहिर (बधिर), बंभण (ब्राह्मण), भाव (भाव), मणोरह (मनोरथ), महिवाल (महिपाल), मिग, मअ (मृग), मुक्ख, मोक्ख (मोक्ष), मेह (मेघ), रोस (रोष), लोअ (लोक), वह (वध), वम्मह (मन्मथ), बाह (व्याध), विणय (विनय), वीयराअ (वीतराग), संघ (सङ्घ), सज्जण (सज्जन), सढ (सठ), सहाव (स्वभाव), सर (शर), सग्ग (स्वर्ग) सावग (श्रावक), हत्थ (हस्त), पायव (पादप), कच्छव (कच्छप), अहिव (अधिप), गिहत्थ (गृहस्थ), सुत्तगार (सूत्रकार), वुत्तिगार (वृत्तिकार), भासगार (भाष्यकार), सूरिअ (सूर्य), वरिअ (वर्य), सोरिअ (शौर्य), कसण, कसिण (कृष्ण), पज्जुण्ण (प्रद्युम्न), नमोक्कार (नमस्कार), सीह, (सिंह), वग्घ (व्याघ्र), सियाल, सिगाल (शृगाल), गय (गज), वसह (वृषभ), ओट्ठ (ओष्ठ), दंत (दन्त), कुंभार (कुंभकार), चम्मार (चर्मकार), लोह (लोभ), दोस (द्वेष), राग (राग), घड (घट), पड (पट), मढ (मठ) एवं मड आदि अकारान्त शब्दों के रूप देव, धम्म, वीर, वच्छ के समान ही चलते हैं। साधारणतः चतुर्थी के रूप षष्ठी के समान ही होते हैं, पर संस्कृत के प्रभाव के कारण य और ए प्रत्यय संयुक्त रूप भी मिलते हैं। यथा–वहाय और वहाए।

FOR PRIVATE & PERSONAL USE ONLY

आकारान्त शब्द

(१२) आकारान्त शब्दों के रूप प्रायः ह्रस्व अकारान्त शब्दों के समान ही होते हैं, पर पंचमी विभक्ति में हि प्रत्यय नहीं जुड़ता है। तृतीया में एत्व भी नहीं होता।

आकारान्त हाहा शब्द

	एकवचन	बहुवचन
प.–	हाहा	हाहा
वी.–	हाहां	हाहा
त.–	हाहाण, हाहाणं	हाहाहि, हाहाहिँ, हाहाहिं
च.–	हाहस्स, हाहणो	हाहाण, हाहाणं
पं.–	हाहत्तो, हाहाओ, हाहाउ, हाहाहिंतो	हाहत्तो, हाहाओ, हाहाउ, हाहाहिंतो, हाहासुंतो
छ.–	हाहणो, हाहस्स	हाहाण, हाहाणं
स.–	हाहम्मि	हाहासु, हाहासुं
सं.–	हे हाहा	हे हाहा

इसी प्रकार किलालवा (किलालपा), गोवा (गोपा) और सोमवा (सोमपा) शब्दों के रूप चलते हैं।

इकारान्त और उकारान्त शब्द

(१३) इकारान्त और उकारान्त पुल्लिंग शब्दों में सु, जस्, भिस्, भ्यस् और सुप् विभक्तियों के पर में रहने पर अन्त इ और उ को दीर्घ होता है।[१]

(१४) आचार्य हेमचन्द्र के मतानुसार इकारान्त और उकारान्त शब्दों में द्वितीया विभक्ति बहुवचन में शस् प्रत्यय का लोप और अन्तिम स्वर को दीर्घ हो जाता है।[२]

(१५) इकारान्त और उकारान्त पुल्लिंग शब्दों से पर में आने वाले जस् के स्थान में ओ और णो आदेश होते हैं। कहीं–कहीं जस् का लुक् भी हो जाता है।[३]

(१६) आचार्य हेम के मतानुसार इकारान्त पुल्लिंग शब्दों में जस् के स्थान में डित्, अउ, अओ आदेश और उकारान्त से केवल डित्, अओ आदेश होते हैं।

---

१. इदुतो दीर्घः ८।३।१६ हे.।

२. लुप्ते शसि ८।३।१८ हे.।

३. जस्–शसोर्णो वा ८।३।२२ हे.।

FOR PRIVATE & PERSONAL USE ONLY

णो आदेश भी होता है। डित् से यहाँ यह तात्पर्य है कि अन्त के इकार और उकार का लोप हो जाता है।[१]

(१७) इकारान्त और उकारान्त पुल्लिंग शब्दों से पर में आने वाले शस् और ङस् के स्थान में विकल्प से णो आदेश होता है।[२]

(१८) इकारान्त और उकारान्त शब्दों से पर में आने वाले टा–तृतीया एकवचन के स्थान में 'णा' आदेश होता है।[३]

(१९) उकारान्त चउ < चतुर् शब्द से पर में आने वाले भिस्, भ्यस् और सुप् विभक्ति को विकल्प से दीर्घ होता है।[४]

(२०) हेम के मत में इकारान्त और उकारान्त शब्दों में ङसि और ङस् के के परे रहने में विकल्प से णो आदेश होता है।[५]

(२१) शेष रूपों की सिद्धि अकारान्त पुल्लिंग शब्दों के समान ही होती है।

इकारान्त और उकारान्त पुल्लिंग शब्दों के विभक्ति चिह्न

	एकवचन	बहुवचन
पढ़मा–	प्रत्यय लुक्, दीर्घ	अउ, अओ, णो, ई
बीआ–	∴	णो, ई
तइया–	णा	हि, हिँ, हिं
चउत्थी–	णो, स्स	ण, णं
पंचमी–	णो, त्तो, ओ, उ, हिंतो	त्तो, ओ, उ, हिंतो, सुंतों
छट्ठी–	णो, स्स	ण, णं
सत्तमी–	म्मि, सि	सु, सुं
संबोहण–	ई, प्रत्ययलुक्	अउ, अओ, णो, ई

इकारान्त हरि शब्द के रूप

	एकवचन	बहुबचन
प.–	हरी	हरउ, हरओ, हरिणो, हरी
बी.–	हरिं	हरिणो, हरी
त.–	हरिणा	हरीहि, हरीहिँ, हरीहिं
च.–	हरिणो, हरिस्स	हरीण, हरीणं
पं.–	हरिणो, हरित्तो, हरीओ, हुरीउ, हरीहिंतो	हरित्तो, हरीओ, हरीउ, हरीहिंतो हरीसुंतो

१. पुंसि जसो डउ डओ वा ८।३।२० हे.।
२. ङसो वा ५।१५ वर.।
३. टो णा ८।३।२४ हे.।
४. चतुरो वा ८।३।१७ हे.।
५. ङसि-ङसोः पुं-क्लीबे वा ८। ३। २३ हे.।

FOR PRIVATE & PERSONAL USE ONLY

छ.–	हरिणो, हरिस्स	हरीण, हरीणं
स.–	हरिम्मि, हरिंसि	हरीसु, हरीसुं
सं.–	हरी, हरि	हरउ, हरओ, हरिओ, हरी

इकारान्त गिरि शब्द के रूप

	एकवचन	बहुवचन
प.–	गिरी	गिरी, गिरओ, गिरउ, गिरिणो
वी.–	गिरिं	गिरिणो, गिरी
त.–	गिरिणा	गिरीहि, गिरीहिँ, गिरीहिं
च.–	गिरिणो, गिरिस्स	गिरीण, गिरीणं
पं.–	गिरिणो, गिरित्तो, गिरीओ, गिरीउ, गिरीहिंतो	गिरित्तो, गिरीओ, गिरीउ, गिरीहिंतो, गिरीसुंतो
छ.–	गिरिणो, गिरिस्स	गिरीण, गिरीणं
स.–	गिरिम्मि, गिरिंसि	गिरीसु, गिरीसुं
सं.–	गिरी, गिरि	गिरउ, गिरओ, गिरिणो, गिरी

इकारान्त णरवइ (नरपति) शब्द के रूप

	एकवचन	बहुवचन
प.–	णरवई	णरवउ, णरवओ, णरवइणो, णरवई
वी.–	णरवइं	णरवइणो, णरवई
त.–	णरवइणा	णरवईहि, णरवईहिँ, णरवईहिं
च.–	परवइणो, णरवइस्स	णरवईण, णरवईणं
पं.–	णरवइणो, णरवइत्तो, णरवईओ, णरवईउ, णरवईहिंतो	णरवइत्तो, णरवईओ, णरवईउ, णरवईहिंतो, णरवईसुंतो
छ.–	णरवइणो, णरवइस्स	णरवईण, णरवईणं
स.–	णरवइम्मि, णरवइंसि	णरवईसु, णरवईसुं
स.–	हे णरवई, हे णरवइ	हे णरवउ, हे णरवओ, हे णरवइणो, हे णरवई

इकारान्त इसी–रिसी (ऋषि)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	इसी	इसउ, इसओ, इसिणी, इसी
वी.–	इसिं	इसिणो, इसी

FOR PRIVATE & PERSONAL USE ONLY

त.–	इसिणा	इसीहि, इसीहिँ, इसीहिं
च.–	इसिणो, इसिस्स	इसीण, इसीणं
पं.–	इसिणो, इसित्तो, इसीओ, इसीहिंतो, इसीसुंतो इसीउ,	इसीउ, इसित्तो, इसीओ, इसीहिंतो, इसीसुंतो
छ.–	इसिणो, इसिस्स	इसीण, इसीणं
स.–	इसिंसि, इसिम्मि	इसीसु, इसीसुं
सं.–	हे इसि, हे इसी	हे इसउ, हे इसओ, हे इसिणो, हे इसी

इकारान्त अग्गि (अग्नि)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	अग्गी	अग्गउ, अग्गओ, अग्गिणो, अग्गी
वी.–	अग्गिं	अग्गिणो, अग्गी
त.–	अग्गिणा	अग्गीहि, अग्गीहिँ, अग्गीहिं
च.–	अग्गिणो, अग्गिस्स	अग्गीण, अग्गीणं
पं.–	अग्गिणो, अग्गित्तो, अग्गीओ, अरगीउ, अग्गिहिंतो	अग्गित्तो, अग्गीओ, अग्गीउ, अग्गिहिंतो, अग्गिसुंतो
छ.–	अग्गिणो, अग्गिस्स	अग्गीण, अग्गीणं
स.–	अग्गिसि, अग्गिम्मि	अग्गीसु, अरगीसुं
सं.–	हे अग्गि, हे अग्गी	हे अग्गउ, हे अरगओ, हे अग्गिणो, हे अग्गी

इसी प्रकार मुणि (मुनि), बोहि (बोधि), संधि, रासि (राशि), रवि, कइ (कवि), कवि (कपि), अरि, तिमि, समाहि (समाधि), निहि (निधि), विहि (विधि), दंडि (दण्डिन्), करि (करिन्), तवस्सि (तपस्विन्), पाणि (प्राणिन्), पहि (प्रधी), सुहि (सुधी) अदि शब्दों के रूप चलते हैं। प्राकृत में पहि, सुहि, गामणि प्रभृति कुछ शब्द ह्रस्व और दीर्घ ईकारान्त माने गये हैं। अतः विकल्प से इनके रूप अग्गि के समान भी चलते हैं।

उकारान्त भाणु (भानु) शब्द

	एकवचन	बहुवचन
प.–	भाणू	भाणुणो, भाणवो, भाणओ, भाणउ, भाणू
वी.–	भाणुं	भाणुणो, भाणू

FOR PRIVATE & PERSONAL USE ONLY

त.–	भाणुणा	भाणूहि, भाणूहिँ, भाणूहिं
च.–	भाणुणो, भाणुस्स	भाणूण, भाणूणं
पं.–	भाणूणो, भाणुत्तो, भाणूओ भाणूउ, भाणूहिंतो	भाणुत्तो, भाणूओ, भाणूउ, भाणूहिंतो, भाणूसुंतो
छ.–	भाणुणो, भाणुस्स	भाणूण, भाणूणं
स.–	भाणुंसि, भाणुम्मि	भाणूसु, भाणूसुं
सं.–	हे भाणु, हे भाणू	हे भाणुणो, हे भाणवो, हे भाणओ, हे भाणउ

उकारान्त वाउ (वायु) शब्द

	एकवचन	**बहुवचन**
प.–	वाऊ	वाउणो, वाउवो, वाउओ, वाऊ
वी.–	वाउं	वाउणो, वाऊ
त.–	वाउणा	वाऊहि, आऊहिँ, वाऊहिं
च.–	वाउणो, वाउस्स	वाऊण, वाऊणं
पं.–	वाउणो, वाउत्तो, वाउओ वाऊउ, वाऊहिंतो	वाउत्तो, वाऊओ, वाऊउ, वाऊहिंतो, वाऊसुंतो
छ.–	वाउणो, वाउस्स	वाऊण, वाऊणं
स.–	वाउंसि, वाउम्मि	वाऊसु, वाऊसुं
सं.–	हे वाउ, हे वाऊ	हे वाउणो, हे वाउवो, हे वाउसो, हे वाऊ

इसी प्रकार जउ (यदु), धम्मण्णु (धर्मज्ञ), सव्वण्णु (सर्वज्ञ), दइवण्णु (दैवज्ञ), गउ (गो), गुरु, साहु (साधु), बन्धु, वपु (वपुष्), मेरु, कारु, धणु (धनुष्), सिंधु, केउ (केतु), विज्जु (विद्युत्), राहु, संकु (शङ्कु), उच्छु (इक्षु), पवासु (प्रवासिन्), वेलु (वेणु), सेउ (सेतु), मच्चु (मृत्यु), खलपु (खलपू), गोत्तभु (गोत्रभू), सरभु (शरभू), अभिभु (अभिभू) और सयंभु (स्वयम्भू) आदि शब्दों के रूप चलते हैं। प्राकृत में खलपू, गोत्तभू, सरभू, अभिभू, और संयभू शब्द विकल्प से ह्रस्व उकारान्त होते हैं। अतः इन शब्दों के रूप वाउ के समान भी चलते हैं।

ईकारान्त और ऊकारान्त शब्दों के रूप भी इकारान्त और उकारान्त शब्दों के समान होते हैं। हेमचन्द्र ने दीर्घ ई, ऊ के लिए ह्रस्व का विधान किया है और संबोधन के एकवचन में अपने नियम को वैकल्पिक माना है।

FOR PRIVATE & PERSONAL USE ONLY

दीर्घ ईकारान्त पही (प्रधी) शब्द

	एकवचन	बहुवचन
प.–	पही	पहउ, पहओ, पहिणो, पही
वी.–	पहिं	पहिणो, पही
त.–	पहिणा	पहीहि, पहीहिँ, पहीहिं
च.–	पहिणो, पहिस्स	पहीण, पहीणं
पं.–	पहिणो, पहित्तो, पहीओ पहीउ, पहीहिंतो	पहित्तो, पहीओ, पहीउ पहीहिंतो, पहीसुंतो
छ.–	पहिणो, पहिस्स	पहीण, पहीणं
स.–	पहिम्मि, पहिंसि	पहीसु, पहीसुं
सं.–	हे पहि	हे पहउ, हे पहओ, हे पहिणो, हे पही

दीर्घ ईकारान्त गामणी (ग्रामणी)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	गामणी	गामणउ, गामणओ, गामणिणो, गामणी
वी.–	गामणिं	गामणिणो, गामणी
त.–	गामणिणा	गामणीहि, गामणीहिँ, गामणीहिं
च.–	गामणिणो, गामणिस्स	गामणीण, गामणीणं
पं.–	गामणिणो, गामणित्तो, गामणीओ, गामणीउ, गामणीहिंतो	गामणित्तो, गामणीओ, गामणीउ, गामणीहिंतो, गामणीसुंतो
छ.–	गामणिणो, गामणिस्स	गामणीण, गामणीणं
स.–	गामणिम्मि, गामणिंसि	गामणीसु, गामणीसुं
सं.–	हे गामणी	हे गामणउ, हे गामणओ, हे गामणिणो, हे गामणी

दीर्घ ऊकारान्त खलपू शब्द

	एकवचन	बहुवचन
प.–	खलपू	खलपवो, खलपउ, खलपओ, खलपुणो, खलपू
वी.–	खलपुं	खलपुणो, खलपू
त.–	खलपुणा	खलपूहि, खलपूहिँ, खलपूहिं

FOR PRIVATE & PERSONAL USE ONLY

च.–	खलपुणो, खलपुस्स	खलपूण, खलपूणं
पं.–	खलपुणो, खलपुत्तो, खलपूओ खलपूउ, खलपूहिंतो	खलपुत्तो, खलपूओ, खलपूउ, खलपूहिंतो, खलपूसुंतो
छ.–	खलपुणो, खलपुस्स	खलपूण, खलपूणं
स.–	खलपुम्मि, खलपुंसि	खलपूसु, खलपूसुं
सं.–	हे खलपू	हे खलपवो, हे खलपउ, हे खलपओ, हे खलपुणो, हे खलपू

दीर्घ ऊकारान्त सयंभू (स्वयम्भू) शब्द

	एकवचन	बहुवचन
प.–	सयंभू	सयंभवो, सयंभउ, सयंभओ, सयंभुणो, सयंभू
बी.–	सयंभुं	सयंभुणो, सयंभू
त.–	सयंभुणा	सयंभूहि, सयंभूहिँ, सयंभूहिं
च.–	सयंभुणो, सयंभुस्स	सयंभूण, सयंभूणं
पं.–	सयंभुणो, सयंभुत्तो, सयंभूओ, सयंभूउ, सयंभूहिंतो	सयंभुत्तो, सयंभूओ, सयंभूउ, सयंभूहिंतो, सयंभूसुंतो
छ.–	सयंभुणो, सयंभुस्स	सयंभूण, सयंभूणं
स.–	सयंभुम्मि, सयंभुंसि	सयंभूसु, सयंभूसुं
सं.–	हे सयंभु	हे सयंभवो, सयंभउ, सयंभओ, सयंभुणो, सयंभू

ऋकारान्त पुल्लिंग शब्द

(२२) ऋकारान्त शब्दों के आगे किसी भी विभक्ति के आने पर अन्त्य ऋ के स्थान पर 'आर' आदेश होता[१] है और उसके रूप अकारान्त शब्दों के समान चलते हैं।

(२३) सु और अम् को छोड़कर शेष सभी विभक्तियों में ऋकारान्त शब्द के अन्त्य ऋ के स्थान में विकल्प से उकार होता है[२]। उत्वपक्ष में उकारान्त शब्दों के समान रूप होते हैं।

---

१. आरः स्यादौ–८।३।४५ हे.।

२. ऋतामुदस्यमौसुवा–८।३।४४ हे.।

FOR PRIVATE & PERSONAL USE ONLY

(२४) सम्बोधन एकवचन में ऋकारान्त शब्दों के अन्तिम ऋ के स्थान पर विकल्प से अ आदेश होता है।[१] पर जो ऋकारान्त शब्द विशेषण के रूप में प्रयुक्त होता है, उसके स्थान पर यह नियम लागू नहीं होता। ऋकारान्त शब्दों में सु विभक्ति के परे विकल्प से 'आ' आदेश होता है।[२]

(२५) पितृ, भ्रातृ और जामातृ शब्दों से पर में किसी भी विभक्ति के आने पर ऋकार के स्थान में आर आदेश न होकर अर आदेश होता है।[३] अर आदेश होने पर भी रूप अकारान्त के समान ही चलते हैं।

(२६) प्रथमा एकवचन में ऋकारान्त शब्दों के ऋ के स्थान पर विकल्प से आ आदेश होता है।[४]

(२७) अकारान्त होने पर ऋकारान्त शब्दों के रूप अकारान्त जिण के समान और उकारान्त हो जाने पर 'भाणु' के समान होते हैं। विभक्तिचिह्न भी अकारान्त और उकारान्त शब्दों के समान ही जोड़े जाते हैं।

ऋकारान्त कर्तृ शब्द—कत्तार और कत्तु

	एकवचन	बहुवचन
प.–	कत्ता, कत्तारो	कत्तारा, कत्तवो, कत्तओ, कत्तउ, कत्तुणो, कत्तू
बी.–	कत्तारं	कत्तारे, कत्तारा, कत्तुणो, कत्तू
त.–	कत्तारेण, कत्तारेणं, कत्तुणा	कत्तारेहि, कत्तारेहिँ , कत्तारेहिं, कत्तूहि, कत्तूहिँ, कत्तूहिं
च.–	कत्ताराय, कत्तारस्स, कत्तुणो, कत्तुस्स	कत्ताराण, कत्ताराणं, कत्तूण, कत्तूणं
पं.–	कत्तारत्तो, कत्ताराओ, कत्ताराउ, कत्ताराहि, कत्ताराहिंतो, कत्तारा, कत्तुणो, कत्तुत्तो, कत्तूओ, कत्तूउ, कत्तूहिंतो	कत्तारत्तो, कत्ताराओ, कत्ताराउ, कत्ताराहि, कत्ताराहिंतो, कत्तारासुंतो, कत्तारेहि, कत्तारेहिंतो, कत्तारेसुंतो, कत्तुत्तो, कत्तूओ, कतूउ, कत्तूहिन्तो, कत्तूसुन्तो
छ.–	कत्तारस्स, कत्तुणो, कत्तुस्स	कत्ताराण, कत्ताराणं, कत्तूण, कत्तूणं
स.–	कत्तारे, कत्तारम्मि, कत्तुम्मि	कत्तारेसु, कत्तारेसुं, कत्तूसु, कत्तूसुं
सं.–	हे कत्त, हे कत्तारो	हे कत्तारा, हे कत्तवो, हे कत्तओ, हे कत्तउ, कत्तुणो, कत्तू

१. ऋतोद्वा ८।३।३९ हे.। २. आ सौ न वा ८।३।४८. हे.।
३. पितृभ्रातृजामातृणामरः ५।३४. वर.। ४. आ च सौ ५।३५. वर.।

FOR PRIVATE & PERSONAL USE ONLY

भर्तृ—भत्तार, भत्तर, भत्तु शब्द

	एकवचन	बहुवचन
प.–	भत्ता, भत्तारो, भत्तरो	भत्तुणो, भत्तरा, भत्तवो, भत्तओ, भत्तउ, भत्तू
वी.–	भत्तारं, भत्तरं	भत्तारे, भत्तरे, भत्तारा, भत्तू, भत्तुणो
त.–	भत्तरेण, भत्तारेण, भत्तुणा	भत्तारेहि, भत्तरेहि, भत्तारेहिँ, भत्तरेहिँ, भत्तारेहिं, भत्तरेहिं, भत्तूहि, भत्तूहिँ, भत्तूहिं
च.–	भत्तारस्स, भत्तरस्स, भत्तुणो, भत्तुस्स	भत्तूणं, भत्तूण, भत्ताराणं, भत्ताराण, भत्तराणं, भत्तराण
पं.–	भत्तरत्तो, भत्तराओ, भत्तराउ, भत्तराहि, भत्तराहिन्तो, भत्तुणो, भत्तुत्तो, भत्तूओ, भत्तूउ, भत्तूहिन्तो, भत्ताराओ, भत्ताराउ, भत्ताराहि, भत्ताराहिन्तो, भत्तारा	भत्तरतो, भत्तराओ, भत्तराउ, भत्तराहि, भत्तराहिन्तो, भत्तरासुन्तो, भत्तरेहि, भत्तरेहिन्तो, भत्तरेसुन्तो, भत्तुत्तो, भत्तूओ, भत्तूउ, भत्तूहिन्तो, भत्तूसुन्तो
छ.–	भत्तरस्स, भत्तारस्स, भत्तुणो, भत्तुस्स	भत्तराण, भत्तराणं, भत्ताराण, भत्ताराणं, भत्तूण, भत्तूणं
स.–	भत्तरे, भत्तरम्मि, भत्तारे, भत्तारम्मि, भत्तुम्मि	भत्तरेसु भत्तरेसुं, भत्तोरेसु, भत्तोरेसुं, भत्तूसु, भत्तूसुं
सं.–	हे भत्त, हे भत्तर, हे भत्तरो, हे भत्तार	हे भत्तरा, भत्तारा, भत्तुणो, भत्तू

भ्रातृ—भायर, भाउ शब्द

	एकवचन	बहुवचन
प.–	भाया, भायरो	भायारा, भाअवो, भाअओ, भाअउ, भाउणो, भाऊ
वी.–	भायरं	भायरे, भायरा, भाउणो, भाऊ
त.–	भायरेण, भायरेणं, भाउणा	भायरेहि, भायरेहिँ, भायरेहिं, भाऊहि, भाऊहिँ, भाऊहिं
च.–	भायराय, भायरस्स, भाउणो भाउस्स	भायराण, भायराणं, भाऊण, भाऊणं

FOR PRIVATE & PERSONAL USE ONLY

पं.–	भायरत्तो, भायराओ, भायराउ, भायराहि, भायराहिन्तो, भायरा, भाउणो, भाउत्तो, भाऊओ, भाऊउ, भाऊहिन्तो	भायरत्तो, भायराओ, भायराउ, भायराहि, भायराहिन्तो, भायरासुन्तो, भायरेहि, भायरेहिन्तो, भायरेसुन्तो, भाउत्तो, भाऊओ, भाऊउ, भाऊहिन्तो, भाऊसुन्तो
छ.–	भायरस्स, भाउणो, भाउस्स	भायराण, भायराणं, भाऊण, भाऊणं
स.–	भायरे, भायरम्मि, भाउम्मि	भायरेसु, भायरेसुं, भाऊसु, भाऊसुं
सं.–	हे भाय, भायर, भायरो, भायरं	भायरे, भायरा, भाअवो, भाअओ, भाअउ, भाऊणो, भाऊ

पितृ—पिउ, पिअर शब्द

	एकवचन	बहुवचन
प.–	पिअरो, पिआ (पिता)	पिअरा, पिउणो, पिअवो, पिअओ, पिअउ, पिऊ
वी.–	पिअरं	पिअरे, पिअरा, पिउणो, पिऊ
त.–	पिअरेण, पिअरेणं, पिउणा	पिअरेहि, पिअरेहिं, पिअरेहिँ, पिऊहि, पिऊहिं, पिऊहिँ
च.–	पिअरस्स, पिउणो, पिउस्स	पिअराण, पिअराणं, पिऊण, पिऊणं
पं.–	पिअराओ, पिअराउ, पिअरा, पिउणो, पिऊओ, पिऊउ	पिअराओ, पिअराउ, पिअराहि, पिअरेहि, पिअराहिंतो, पिअरेहिंतो, पिअरासुंतो, पिअरेसुंतो, पिऊओ, पिऊसुंतो, पिऊउ, पिऊहिंतो
छ.–	पिअरस्स, पिउणो, पिउस्स	पिअराण, पिअराणं, पिऊण, पिऊणं
स.–	पिऊरंसि, पिअरम्मि, पिअरे पिउसि, पिउम्मि	पिअरेसु, पिअरेसुं, पिऊसु, पिऊसुं
सं.–	पिअरं, पिअ, पिअरो, पिअरा, पिअर	पिउणो, पिअवो, पिअओ, पिअउ, पिउ

दातृ—दाउ, दायार शब्द

	एकवचन	बहुवचन
प.–	दायारो, दाया	दायारा, दाउणो, दायवो, दायओ, दायउ, दाऊ

FOR PRIVATE & PERSONAL USE ONLY

वी.–	दायारं	दायारे, दायारा, दाउणो, दाऊ
त.–	दायारेण, दायारेणं, दाउणा	दायारेहि, दायारेहिं, दायारेहिँ, दाऊहि, दाऊहिं, दाऊहिँ
च.–	दायारस्स, दाउणो, दाउस्स	दायाराण, दायाराणं, दाऊण, दाऊणं
पं.–	दायाराओ, दायाराउ, दायारा, दाउणो, दाऊओ, दाऊउ	दायाराओ, दायाराउ, दायाराहि, दायारेहि, दायाराहिन्तो, दायारेहिंतो, दायारासुंतो, दायारेसुंतो, दाऊओ, दाऊउ, दाऊहिंतो, दाऊसुंतो
छ.–	दायारस्स, दाउणो, दाउस्स	दायाराण, दायाराणं, दाऊण, दाऊणं
स.–	दायारंसि, दायारम्मि, दायारे दाउंसि, दाउम्मि	दायारेसु, दायारेसुं, दाऊसु, दाऊसुं
सं.–	दायार, दाय, दायारो, दायारा	दायारा, दाउणो, दायवो, दायओ, दायउ, दाऊ

एकारान्त, ऐकारान्त, ओकारान्त और औकारान्त पुल्लिंग शब्द

(२८) प्राकृत में एकारान्त और ओकारान्त शब्दों का प्रायः अभाव है। संस्कृत के एकारान्त और ओकारान्त शब्दों में स्वार्थिक क–अ प्रत्यय जोड़ने से प्राकृत शब्द बनते हैं, पर उनके रूप जिण शब्द के समान होते हैं।

(२९) संस्कृत के ऐकारान्त और औकारान्त शब्द प्राकृत में अकारान्त हो जाते हैं, अतः इनके रूप प्रायः वीर था जिण शब्द के समान चलते हैं।

ऐकारान्त सुरै < सुरेअ शब्द

	एकवचन	**बहुवचन**
प.–	सुरेओ	सुरेआ
वी.–	सुरेअं	सुरेआ, सुरेए
त.–	सुरेएण, सुरेएणं	सुरेएहि, सुरेएहिं, सुरेएहिँ
च.–	सुरेअस्स, सुरेआय	सुरेआण, सुरेआणं
पं.–	सुरेअत्तो, सुरेआओ, सुरेआउ, सुरेआहि, सुरेआहिंतो, सुरेआ	सूरेअत्तो, सुरेआओ, सुरेआउ, सुरेआहि सुरेएहि, सुरेआहिन्तो, सुरेआसुन्तो
छ.–	सुरेअस्स	सुरेआण, सुरेआणं
स.–	सुरेअंसि, सुरेअम्मि	सुरेएसु, सुरेसुं
सं.–	हे सुरेओ	हे सुरेआ

FOR PRIVATE & PERSONAL USE ONLY

औकारान्त ग्लौ < गिलोअ शब्द

	एकवचन	बहुवचन
प.–	गिलोओ	गिलोआ
वी.–	गिलोअं	गिलोए, गिलोआ
त.–	गिलोएण, गिलोएणं	गिलोएहि, गिलोएहिं, गिलोएहिँ
च.–	गिलोअस्स, गिलोआय	गिलोआण, गिलोआणं
पं.–	गिलोअत्तो, गिलोआओ, गिलोआउ, गिलोआहि, गिलोआहिन्तो, गिलोआ	गिलोअत्तो, गिलोआओ, गिलोआउ, गिलोआहि, गिलोएहि, गिलोआहिंतो, गिलोआसुंतो, गिलोएहिंतो, गिलोएसुंतो
छ.–	गिलोअस्स	गिलोआण, गिलोआणं
स.–	गिलोअंसि, गिलोअम्मि	गिलोएसु, गिलोएसुं
सं.–	हे गिलोओ	हे गिलोआ

स्वरान्त पुल्लिंग शब्दरूप समाप्त।

स्वरान्त स्त्रीलिंग

(३०) स्त्रीलिंग शब्दों से पर में आने वाले जस् और शस् के स्थान में विकल्प से उत् और ओत् आदेश होते हैं और उनसे पूर्व के ह्रस्व स्वर को विकल्प से दीर्घ हो जाता है।[१]

(३१) स्त्रीलिंग में टा, ङस् और ङि में प्रत्येक के स्थान में अत्, आत्, इत् और एत् ये चार आदेश होते हैं। पूर्व के ह्रस्व स्वर को दीर्घ हो जाता है। पर ङस् प्रत्यय के स्थान में आदेश होने पर पूर्व के ह्रस्व स्वर को विकल्प से दीर्घ होता है।[२]

(३२) अम् विभक्ति में–द्वितीया एकवचन में अन्तिम दीर्घ को विकल्प से ह्रस्व होता है।

(३३) स्त्रीलिंग में वर्तमान दीर्घ ईकारान्त शब्द से पर में आने वाले सु, जस् और शस् के स्थान में विकल्प से आ आदेश होता है।

(३४) संबोधन में आकारान्त स्त्रीलिंग शब्दों में आ के स्थान पर एत्व होता है।

---

१. स्त्रियामुदोतौ वा ८।३।२७ हे.

२. टा-ङस्-ङेरदादिदेद्वा तु ङसेः ८।३।२९ हे.

FOR PRIVATE & PERSONAL USE ONLY

आकारान्त स्त्रीलिंग शब्दों में जोड़े जाने वाले विभक्ति चिह्न

	एकवचन	बहुवचन
प.–	(लुक्)	उ, ओ, (लुक्)
वी.–		उ, ओ, (लुक्)
त.–	अ, इ, ए	हि, हिं, हिँ
च.–	अ, इ, ए,	ण, णं
पं.–	अ, इ, ए, त्तो, ओ, उ, हिन्तो	त्तो, ओ, उ, हिन्तो, सुन्तो
छ.–	अ, इ, ए	ण, णं
स.–	अ, इ, ए ,	सु, सुं
सं.–	(लुक्)	उ, ओ, (लुक्)

लदा < लता शब्द

	एकवचन	बहुवचन
प.–	लदा	लदा, लदाओ, लदाउ
वी.–	लदं	लदा, लदाओ, लदाउ
त.–	लदाए, लदाइ, लढाअ	लदाहि, लदाहिँ, लदाहिं
च.–	लदाए, लदाइ, लदाअ	लदाण, लदाणं
पं.–	लदाए, लदाइ, लदाअ, लदत्तो, लदाओ, लदाउ, लदाहिन्तो	लदत्तो, लदाओ, लदाउ, लदाहिन्तो, लदासुन्तो
छ.–	लदाए, लदाइ, लदाअ	लदाण, लदाणं
स.–	लदाए, लदाइ, लदाअ	लदासु, लदासुं
सं.–	हे लदे, हे लदा	हे लदा, हे लदाओ, हे लदाउ

माला

	एकवचन	बहुवचन
प–	माला	मालाउ, मालाओ, माला
वी.–	मालं	मालाउ, मालाओ, माला
त.–	मालाअ, मालाइ, मालाए	मालाहि, मालाहिँ, मालाहिं
च.–	मालाअ, मालाइ, मालाए	मालाण, मालाणं
पं.–	मालाअ, मालाइ, मालाए, मालत्तो, मालाओ, मालाउ, मालाहिंतो	मालत्तो, मालाओ, मालाउ, मालाहिन्तो, मालासुन्तो

FOR PRIVATE & PERSONAL USE ONLY

छ.–	मालाअ, मालाइ, मालाए	मालाण, मालाणं
स.–	,, ,, ,,	मालासु, मालासुं
सं.–	माले, माला	मालाओ, मालाउ, माला

छिहा (स्पृहा)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	छिहा	छिहाउ, छिहाओ, छिहा
वी.–	छिहं	,, ,, ,,
त.–	छिहाअ, छिहाइ, छिहाए	छिहाहि, छिहाहिँ, छिहाहिं
च.–	,, ,, ,,	छिहाण, छिहाणं
पं.–	छिहाअ, छिहाइ, छिहाए, छिहत्तो, छिहाओ, छिहाउ, छिहाहिन्तो	छिहत्तो, छिहाओ, छिहाउ, छिहाहिन्तो, छिहासुन्तो
छ.–	छिहाअ, छिहाइ, छिहाए	छिहाण, छिहाणं
स.–	,, ,, ,,	छिहासु, छिहासुं
सं.–	छिहे, छिहा	छिहाउ, छिहाओ, छिहा

हलिद्दा, हलद्दा (हरिद्रा)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	हलिद्दा	हलिद्दाउ, हलिद्दाओ, हलिद्दा
वी.–	हलिद्दं	,, ,, ,,
त.–	हलिद्दाअ, हलिद्दाइ, हलिद्दाए	हलिद्दाहि, हलिद्दाहिँ, हलिद्दाहिं
च.–	,, ,, ,,	हलिद्दाण, हलिद्दाणं
पं.–	,, ,, ,, हलिद्दत्तो, हलिद्दाओ, हलिद्दाउ, हलिद्दाहिन्तो	हलिद्दत्तो, हलिद्दाउ, हलिद्दाओ, हलिद्दाहिन्तो, हलिद्दासुन्तो
छ.–	हलिद्दाअ, हलिद्दाइ, हलिद्दाए	हलिद्दाण, हलिद्दाणं
स.–	,, ,, ,,	हलिद्दासु, हलिद्दासुं
सं.–	हलिद्दे, हलिद्दा	हलिद्दाउ, हलिद्दाओ, हलिद्दा

मट्टिआ (मृत्तिका)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	मट्टिआ	मट्टिआउ, मट्टिआओ, मट्टिआ
वी.–	मट्टिअं	,, ,, ,,

FOR PRIVATE & PERSONAL USE ONLY

त.–	मट्टिआअ, मट्टिआइ, मट्टिआए	मट्टिआहि, मट्टिआहिं, मट्टिआहिँ
च.–	,, ,, ,,	मट्टिआण, मट्टिआणं
पं.–	,, ,, ,,	मट्टिअत्तो, मट्टिआओ
	मट्टिअत्तो, अट्टिआओ, मट्टिआउ, मट्टिआहिन्तो	मट्टिआउ, मट्टिआहिन्तो, मट्टिआसुन्तो
छ.–	मट्टिआअ, मट्टिआइ, मट्टिआए	मट्टिआण, मट्टिआणं
स.–	,, ,, ,,	मट्टिआसु, मट्टिआसुं
सं.–	हे मट्टिए, मट्टिआ	हे मट्टिआउ, मट्टिआओ, मट्टिआ

इकारान्त स्त्रीलिंग विभक्ति चिह्न–प्रत्यय

	एकवचन	बहुवचन
प.–	(लुक्)	उ, ओ, (लुक्)
वी.–	मं	,, ,,
त.–	अ, आ, इ, ए	हि, हिँ, हिं
च.–	,, ,,	ण, णं
पं.–	,, ,,त्तो, ओ, उ, हिन्तो	त्तो, ओ, उ, हिन्तो, सुन्तो
छ.–	,, ,,	ण, णं
स.–	,, ,,	सु, सुं
सं.–	ई (लुक्)	उ, ओ (लुक्)

मई (मति)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	मई	मईउ, मईओ, मई
वी.–	मइं	,, ,, ,,
त.–	मईअ, मईआ, मईइ, मईए	मईहि, मईहिँ, मईहिं
च.–	,, ,, ,,	मईण, मईणं
पं.–	,, ,, ,,	मइत्तो, मईओ, मईउ,
	मइत्तो, मईओ, मईउ, मईहिंतो	मईहिन्तो, मईसुन्तो
छ.–	मईअ, मईआ, मईइ, मइए	मईण, मईणं
स.–	,, ,, ,,	मईसु, मईसुं
सं.–	हे मई, मइ	हे मईउ, मईओ, मई

FOR PRIVATE & PERSONAL USE ONLY

मुत्ति (मुक्ति)

प.–	मुत्ती	मुत्तीउ, मुत्तीओ, मुत्ती
वी.–	मुत्तिं	,, ,, ,,
त.–	मुत्तीअ, मुत्तीआ, मुत्तीइ, मुत्तीए	मुत्तीहि, मुत्तीहिँ, मुत्तीहिं
च.–	,, ,, ,,	मुत्तीण, मुत्तीणं
पं.–	,, ,, ,, मुत्तित्तो, मुत्तीओ, मुत्तीउ, मुत्तीहिन्तो	मुत्तित्तो, मुत्तीओ, मुत्तीउ, मुत्तीहिन्तो, मुत्तीसुन्तो
छ.–	मुत्तीअ, मुत्तीओ, मुत्तीइ, मुत्तीए,	मुत्तीण, मुत्तीणं
स.–	,, ,, ,,	मुत्तीसु, मुत्तसुं
सं.–	हे मुत्ती, मुत्ति	मुत्तीउ, मुत्तीओ, मुत्ती

राइ (रात्रि)

	एकवचन	**बहुवचन**
प.–	राई	राईओ, राईउ, राई
वी.–	राइं	,, ,, ,,
त.–	राईअ, राईआ, राईइ, राईए	राईहि, राईहिँ, राईहिं
च.–	,, ,, ,,	राईण, राईणं
पं.–	राईअ, राईआ, राईइ, राईए, राईत्तो, राईओ, राईउ, राईहिन्तो	राइत्तो, राईओ, राईउ, राईहिन्तो, राईसुन्तो
छ.–	राईअ, राईआ राईइ, राईए	राईण, राईणं
स.–	,, ,, ,,	राईसु, राईसुं
सं.–	हे राई, राइ	हे राईउ, राईओ, राई

ईकारान्त स्त्रीलिंग विभक्ति चिह्न–प्रत्यय

	एकवचन	**बहुवचन**
प.–	[लुक्], आ	आ, उ, ओ, [लुक्]
वी.–	मं	,, ,, ,, ,,
त.–	अ, आ, इ, ए	हि, हिँ, हिं
च.–	,, ,, ,, ,,	ण, णं
पं.–	,, ,, ,, ,, त्तो, ओ, उ, हिन्तो	त्तो, ओ, उ, हिन्तो, सुन्तो

FOR PRIVATE & PERSONAL USE ONLY

छ.–	अ, आ, इ, ए	ण, णं
स.–	,, ,, ,, ,,	सु, सुं
सं.–	[लुक्]	आ, उ, ओ [लुक्]

लच्छी (लक्ष्मी)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	लच्छी, लच्छीआ	लच्छीआ, लच्छीउ, लच्छीओ, लच्छी
वी.–	लच्छिं	,, ,, ,, ,,
त.–	लच्छीअ, लच्छीआ, लच्छीइ, लच्छीए	लच्छीहि, लच्छीहिँ, लच्छीहिं
च.–	,, ,, ,, ,,	लच्छीण, लच्छीणं
पं.–	,, ,, ,, ,, लच्छित्तो, लच्छिओ, लच्छीउ, लच्छीहिंतो	लच्छित्तो, लच्छीओ, लच्छीउ, लच्छीहिन्तो, लच्छीसुंतो
छ.–	लच्छीअ, लच्छीआ, लच्छीइ, लच्छीए	लच्छीण, लच्छीणं
स.–	,, ,, ,, ,,	लच्छीसु, लच्छीसुं
सं.–	हे लच्छि	हे लच्छीआ,लच्छीउ,लच्छीओ,लच्छी

रुप्पिणी (रुक्मिणी)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	रुप्पिणी, रुप्पिणीआ	रुप्पिणीआ, रुप्पिणीउ, रुप्पिणीओ, रुप्पिणी
वी.–	रुपिपणिं	रुप्पिणीआ, रुप्पिणीउ, रुप्पिणीओ, रुप्पिणी
त.–	रुप्पिणीअ, रुप्पिणीआ, रुप्पिणीइ, रुप्पिणीए	रुप्पिणीहि, रुप्पिणीहिँ, रुप्पिणीहिं
च.–	रुप्पिणीअ, रुप्पिणीआ, रुप्पिणीइ, रुप्पिणीए	रुप्पिणीण, रुप्पिणीणं
पं.–	रुप्पिणीअ, रुप्पिणीआ, रुप्पिणीइ, रुप्पिणीए, रुप्पिणित्तो, रुप्पिणीओ, रुप्पिणीउ, रुप्पिणीहिन्तो	रुप्पिणित्तो, रुप्पिणीओ, रुप्पिणीउ, रुप्पिणीहिन्तो, रुप्पिणीसुन्तो
छ.–	रुप्पिणीअ, रुप्पिणीआ, रुप्पिणीइ, रुप्पिणीए	रुप्पिणीण, रुप्पिणीणं

FOR PRIVATE & PERSONAL USE ONLY

स.–	रुप्पिणीअ, रुप्पिणीआ, रुप्पिणीइ, रुप्पिणीए	रुप्पिणीसु, रुप्पिणीसुं
सं.–	हे रुप्पिणि	हे रुप्पिणीआ, रुप्पिणीउ, रुप्पिणीओ, रुप्पिणी

बहिणी (भगिनी)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	बहिणी, बहिणीआ	बहिणीआ, बहिणीउ, बहिणीओ, बहिणी
वी.–	बहिणिं	,, ,, ,,
त.–	बहिणीअ, बहिणीआ, बहिणीइ, बहिणीए	बहिणीहि, बहिणीहिँ, बहिणीहिं
च.–	बहिणीअ, बहिणीआ, बहिणीइ, बहिणीए	बहिणीण, बहिणीणं
पं.–	,, ,, ,, बहिणित्तो, बहिणीओ, बहिणीउ, बहिणीहिंतो	बहिणित्तो, बहिणीओ, बहिणीसुन्तो,
छ.–	बहिणीअ, बहिणीआ, बहिणीइ, बहिणीए	बहिणीण, बहिणीणं
स.–	बहिणीअ, बहिणीआ, बहिणीइ, बहिणीए	बहिणीसु, बहिणीसुं
सं.–	हे बहिणि	हे बहिणीआ, बहिणीउ, बहिणीओ, बहिणी

उकारान्त स्त्रीलिंग धेणु–शब्द

	एकवचन	बहुवचन
प.–	धेणू	धेणूउ, धेणूओ, धेणू
वी.–	धेणुं	,, ,, ,,
त.–	धेणूअ, धेणूआ, धेणूइ, धेणूए	धेणूहि, धेणूहिँ, धेणूहिं
च.–	,, ,, ,,	धेणूण, धेणूणं
पं.–	,, ,, ,, धेणुत्तो, धेणूओ, धेणूउ धेणूहिन्तो	धेणुत्तो, धेणूओ, धेणूउ, धेणूहिन्तो, धेणूसुन्तो

FOR PRIVATE & PERSONAL USE ONLY

छ.–	धेणूअ, धेणूआ, धेणूइ, धेणूए	धेणूण, धेणूणं
स.–	,, ,, ,,	धेणूसु, धेणूसुं
सं.–	हे धेणू, धेणु	हे धेणूउ, धेणूओ, धेणू

तणु

	एकवचन	**बहुवचन**
प.–	तणू	तणूउ, तणूओ, तणू
वी.–	तणुं	,, ,, ,,
त.–	तणूआ, तणूआ, तणूइ, तणूए	तणूहि, तणूहिँ, तणूहिं
च.–	,, ,, ,,	तणूण, तणूणं
पं.–	,, ,, ,, तणुत्तो, तणूओ, तणूउ, तणूहिन्तो	तणुत्तो, तणूओ, तणूउ, तणूहिन्तो, तणूसुन्तो
छ.–	तणूअ, तणूआ, तणूइ, तणूए	तणूण, तणूणं
स.–	,, ,, ,,	तणूसु, तणूसुं
सं.–	हे तणू, तणु	हे तणूउ, तणूओ, तणू

रज्जु

	एकवचन	**बहुवचन**
प.–	रज्जू	रज्जूउ, रज्जूओ, रज्जू
वी.–	रज्जुं	,, ,, ,,
त.–	रज्जूअ, रज्जूआ, रज्जूइ, रज्जूए	रज्जूहि, रज्जूहिँ, रज्जूहिं
च.–	,, ,, ,,	रज्जूण, रज्जूणं
पं.–	,, ,, ,, रज्जुत्तो, रज्जूओ, रज्जूउ, रज्जूहिंतो	रज्जुत्तो, रज्जूओ, रज्जूउ, रज्जूहिन्तो, रज्जूसुंतो
छ.–	रज्जूअ, रज्जूआ, रज्जूइ, रज्जूए	रज्जूण, रज्जूणं
स.–	,, ,, ,,	रज्जूसु, रज्जूसुं
सं.–	हे रज्जू, रज्जु	हे रज्जूउ, रज्जूओ, रज्जू

ऊकारान्त स्त्रीलिंग शब्द

बहू

	एकवचन	**बहुवचन**
प.–	बहू, बहूआ	बहूआ, बहूउ, बहूओ, बहू
वी.–	बहुं	,, ,, ,,

FOR PRIVATE & PERSONAL USE ONLY

त.–	बहूअ, बहूआ, बहूइ, बहूए	बहूहि, बहूहिँ, बहूहिं
च.–	,, ,, ,,	बहुण, बहूणं
पं.–	,, ,, ,, बहुत्तो, बहूओ, बहूउ, बहूहिन्तो	बहूत्तो, बहूओ, बहुउ, बहूहिन्तो, बहूसुन्तो
छ.–	बहूअ, बहूआ, बहूइ, बहूए	बहूण, बहूणं
स.–	,, ,, ,,	बहूसु, बहूसुं
सं.–	हे बहु	हे बहूआ, बहूउ, बहूओ

सासू (श्वश्रु)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	सासू, सासूआ	सासूआ, सासूउ, सासूओ, सासू
वी.–	सासुं	,, ,, ,,
त.–	सासूअ, सासूआ, सासूइ, सासूए	सासूहि, सासूहिँ, सासूहिं
च.–	,, ,, ,,	सासूण, सासूणं
पं.–	,, ,, ,, सासुत्तो, सासूओ, सासूउ, सासूहिन्तो	सासुत्तो, सासूओ, सासूउ, सासूहिन्तो, सासूसुन्तो
छ.–	सासूअ, सासूआ, सासूइ, सासूए	सासूण, सासूणं
स.–	,, ,, ,,	सासूसु, सासूसुं
सं.–	हे सासु	हे सासूआ, सासूउ, सासूओ, सासू

चमू

	एकवचन	बहुवचन
प.–	चमू, चमूआ	चमूआ, चमूउ, चमूओ, चमू
वी.–	चमुं	,, ,, ,,
त.–	चमूअ, चमूआ, चमूइ, चमूए	चमूहि, चमूहिँ, चमूहिं
च.–	,, ,, ,,	चमूण, चमूणं
पं.–	,, ,, ,, चमुत्तो, चमूओ, चमूउ, चमूहिन्तो	चमुत्तो, चमूओ, चमूउ, चमूहिन्तो, चमूसुन्तो
छ.–	चमूअ, चमूआ, चमूइ, चमूए	चमूण, चमूणं
स.–	,, ,, ,,	चमूसु, समूसुं
सं.–	हे चमु	हे चमूआ, चमूउ, चमूओ, चमू

FOR PRIVATE & PERSONAL USE ONLY

ऋकारान्त स्त्रीलिंग शब्द

माआ

	एकवचन	बहुवचन
प.–	माआ	माआओ, माआउ, माआ
वी.–	माअं	,, ,, ,,
त.–	माआअ, माआइ, माआए	माआहि, माआहिँ, माआहिं
च.–	,, ,, ,,	माआण, माआणं
पं.–	,, ,, ,,	माअत्तो, माआओ, माआउ, माआहिन्तो, माअत्तो, माआओ, माआसुन्तो, माआउ, माआहिन्तो
छ.–	माआअ, माआइ, माआए	माआण, माआणं
स.–	,, ,, ,,	माआसु, माआसुं
सं.–	हे माआ	हे माआओ, माआउ, माआ

ससा (स्वसृ)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	ससा	ससाओ, ससाउ, ससा
वी.–	ससं	,, ,, ,,
त.–	ससाअ, ससाइ, ससाए	ससाहि, ससाहिँ, ससाहिं
च.–	,, ,, ,,	ससाण, ससाणं
पं.–	,, ,, ,,	ससत्तो, ससाओ, ससाउ, ससाहिन्तो, ससत्तो, ससाओ, ससाउ, ससाहिन्तो ससासुन्तो
छ.–	ससाअ, ससाइ, ससाए	ससाण, ससाणं
स.–	,, ,, ,,	ससासु, ससासुं
सं.–	हे ससा	हे ससाओ, ससाउ, ससा

णणन्दा (ननन्द)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	णणन्दा	णणन्दाओ, णणन्दाउ, णणन्दा
वी.–	णणन्दं	,, ,, ,,
त.–	णणन्दाअ, णणन्दाइ, णणन्दाए	णणन्दाहि, णणन्दाहिँ, णणन्दाहिं
च.–	,, ,, ,,	णणन्दाण, णणन्दाणं
पं.–	,, ,, ,, णणन्दत्तो, णणन्दाओ, णणन्दाउ, णणन्दाहिंतो	णणन्दत्तो, णणन्दाओ, णणन्दाउ, णणन्दाहिन्तो, णणन्दासुंतो

FOR PRIVATE & PERSONAL USE ONLY

छ.–	नणन्दाअ, नणन्दाइ, नणन्दाए	नणन्दाण, नणन्दाणं
स.–	,, ,, ,,	नणन्दासु, नणन्दासुं
सं.–	हे नणन्दा	हे नणन्दाओ, नणन्दाउ, नणन्दा

माउसिआ (मातृष्वसृ)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	माउसिआ	माउसिआओ, माउसिआउ, माउसिआ
वी.–	माउसिअं	,, ,, ,,
त.–	माउसिआअ, माउसिआइ, माउसिआए	माउसिआहि, माउसिआहिँ, माउसिआहिं
च.–	,, ,, ,,	माउसिआण, माउसिआणं
पं.–	,, ,, ,, माउसिअत्तो, माउसिआओ, माउसिआउ, माउसिआहिन्तो	माउसिअत्तो, माउसिआओ, माउसिआउ, माउसिआहिंतो, माउसिआसुन्तो
छ.–	माउसिआअ, माउसिआइ, माउसिआए	माउसिआण, माउसिआणं
स.–	,, ,, ,,	माउसिआसु, माउसिंआसुं
सं.–	हे माउसिआ	हे माउसिआओ, माउसिआउ, माउसिआ

धूआ (दुहितृ)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	धूआ	धूआओ, धूआउ, धूआ
वी.–	धूअं	,, ,, ,,
त.–	धूआअ, धूआइ, धूआए	धूआहि, धूआहिँ, धूआहिं
च.–	,, ,, ,,	धूआण, धूआणं
पं.–	,, ,, ,, धूअत्तो, धूआओ, धूआउ, धूआहिन्तो	धूअत्तो, धूआओ, धूआउ, धूआहिन्तो, धूआसुन्तो
छ.–	धूआअ, धूआइ, धूआए	धूआण, धूआणं
स.–	,, ,, ,,	धूआसु, धूआसुं
सं.–	हे धूआ	हे धूआओ, धूआउ, धूआ

FOR PRIVATE & PERSONAL USE ONLY

ओकारान्त स्त्रीलिंग शब्द

गावी (गो)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	गावी, गावीआ	गावीआ, गावीउ, गावीओ, गावी
वी.–	गाविं	,, ,, ,,
त.–	गावीअ, गावीआ, गावीइ, गावीए	गावीहि, गावीहिँ, गावीहिं
च.–	,, ,, ,,	गावीण, गावीणं
पं.–	,, ,, ,, गावित्तो, गावीओ, गावीउ, गावीहिन्तो	गावित्तो, गावीओ, गावीउ, गावीहिन्तो, गावीसुन्तो
छ.–	गावीअ, गावीआ, गावीइ, गावीए	गावीण, गावीणं
स.–	,, ,, ,,	गावीसु, गावीसुं
सं.–	हे गावि	हे गावीआ, गावीउ, गावीओ, गावी

औकारान्त स्त्रीलिंग शब्द

नावा (नौ)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	नावा	नावाओ, नावाउ, नावा
वी.–	नावं	,, ,, ,,
त.–	नावाअ, नावाइ, नावाए	नावाहि, नावाहिँ, नावाहिं
च.–	,, ,, ,,	नावाण, नावाणं
पं.–	,, ,, ,, नावत्तो, नावाओ, नावाउ, नावाहिन्तो	नावत्तो, नावाओ, नावाउ, नावाहिन्तो नावासुन्तो
छ.–	नावाअ, नावाइ, नावाए	नावाण, नावाणं
स. –	,, ,, ,,	नावासु, नावासुं
सं.–	हे नावा	हे भावाओ, नावाउ, नावा

स्वरान्त स्त्रीलिंग शब्दरूप समाप्त।

FOR PRIVATE & PERSONAL USE ONLY

स्वरान्त नपुंसक लिंग शब्द

(३५) नपुंसक लिंग में स्वरान्त शब्दों से पर में आने वाले सु के स्थान में प्रथमा एकवचन में म् होता है।

(३६) नपुंसक लिंग में स्वरान्त शब्दों से पर में आने वाले जस् और शस् के स्थान में प्रथमा और द्वितीया के बहुवचन में इँ, इं और णि आदेश होते हैं।

(३७) नपुंसक लिंग के सम्बोधन एकवचन में 'सु' का लोप होता है।

(३८) सु के पर में रहने पर प्रथमा के एकवचन में इकारान्त और उकारान्त शब्दों के अन्तिम इ और उ को दीर्घ नहीं होता।

नपुंसकलिंग के विभक्ति चिह्न

	एकवचन	बहुवचन
प.–	म्	णि, इँ, इं
वी.–	म्	णि, इँ, इं
सं.–	०	,, ,,

शेष विभक्तियों में पुल्लिंग के समान विभक्ति चिह्न होते हैं

वण (वन)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	वणं	वणाइँ, वणाइं, वणाणि
वी.–	वणं	,, ,,
त.–	वणेण	वणेहि, वणेहिँ, वणेहिं
च.–	वणस्स	वणाण, वणाणं
पं.–	वणत्तो, वणाओ, वणाउ, वणाहि, वणाहिन्तो, वणा	वणत्तो, वणाओ, वणाउ, वणाहि, वणाहिन्तो, वणासुन्तो
छ.–	वणस्स	वणाण, वणाणं
स.–	वणे, वणम्मि	वणेसु, वणेसुं
सं.–	हे वण	हे वणाइँ, हे वणाइं, हे वणाणि

धण (धन)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	धणं	धणाइँ, धणाइं, धणाणि
वी.–	धणं	धणाइँ, धणाइं, धणाणि

इसके आगे वीर शब्द के समान रूप होते हैं।

FOR PRIVATE & PERSONAL USE ONLY

इकारान्त शब्द दहि (दधि)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	दहिं	दहीइँ, दहीइं, दहीणि
वी.–	दहिं	दहीइँ, दहीइं, दहीणि
त.–	दहिणा	दहीहि, दहीहिँ, दहीहिं
च.–	दहिणो, दहिस्स	दहीण, दहीणं
पं.–	दहिणो, दहित्तो, दहीओ, दहीउ, दहीहिन्तो	दहित्तो, दहीओ, दहीउ, दहीहिन्तो, दहीसुन्तो
छ.–	दहिणो, दहिस्स	दहीण, दहीणं
स.–	दहिम्मि	दहीसु, दहीसुं
सं.–	हे दहि	हे दहीइँ, दहीइं, दहीणि

वारि

	एकवचन	बहुवचन
प.–	वारिं	वारीइँ, वारीइं, वारीणि
वी.–	वारिं	वारीइँ, वारीइं, वारीणि

इसके आगे इकारान्त पुल्लिंग शब्दों के समान रूप होते हैं।

सुरहि (सुरभि)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	सुरहिं	सुरहीइँ, सुरहीइं, सुरहीणि
वी.–	सुरहिं	सुरहीइँ, सुरहीइं, सुरहीणि

इसके आगे पुल्लिंग शब्दों के समान रूप होते हैं।

उकारान्त शब्द महु (मधु)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	महुं	महूइँ, महूइं, महूणि
वी.–	महुं	महुइँ, महूइं, महूणि
त.–	महुणा	महूहि, महूहिँ, महूहिं
च.–	महुणो, महुस्स	महूण, महूणं
पं.–	महुणो, महुत्तो, महूओ,	महुत्तो, महूओ, महूउ, महूहिन्तो,

FOR PRIVATE & PERSONAL USE ONLY

	महूउ, महूहिन्तो	महूसुन्तो
छ.–	महुणो, महुस्स	महूण, महूणं
स.–	महुम्मि	महूसु, महूसुं
सं.–	हे महु	हे महूइँ, महूइं, महूणि

जाणु (जानु)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	जाणुं	जाणूइँ, जाणूइं, जाणूणि
वी.–	जाणुं	जाणूइँ, जाणूइं, जाणूणि

इसके आगे महु के समान रूप होते हैं।

अंसु (अश्रु)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	अंसुं	अंसूइँ, अंसूइं, अंसूणि
वी.–	अंसुं	अंसुइँ, अंसूइं, अंसूणि

इसके आगे महु के समान रूप होते हैं।

स्वरान्त नपुंसक लिंग शब्द समाप्त।

व्यञ्जनान्त पुल्लिङ्ग शब्द

प्राकृत में व्यञ्जनान्त या हलन्त शब्द नहीं होते। कुछ हलन्त शब्दों के अन्त्य व्यञ्जनों का लोप होता है और कुछ हलन्त शब्द अजन्त–स्वरान्त के रूप में परिणत हो जाते हैं। अतः हलन्त शब्दों के साधनार्थ स्वरान्त शब्दों के समान ही नियम समझने चाहिए।

अप्पाण, अत्ताण, अप्प और अत्त (आत्मन्)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	अप्पाणो, अप्पा, अप्पो; अत्ताणो, अत्ता, अत्तो	अप्पाणो, अप्पाणा, अप्पा; अत्ताणो, अत्ताणा, अत्ता
वी.–	अप्पाणं, अप्पं; अत्ताणं, अत्तं	अप्पाणो, अप्पणे, अप्पाणा, अप्पे, अप्पा; अत्ताणो, अत्ताणे, अत्ताणा, अत्ते, अत्ता।

FOR PRIVATE & PERSONAL USE ONLY

त.–	अप्पणिआ, अप्पणइआ, अप्पणा, अप्पाणेण, अप्पाणेणं, अप्पेण, अप्पेणं; अत्तणा, अत्ताणेण, अत्ताणेणं, अत्तेण, अत्तेणं	अप्पाणेहि-हिं-हिँ, अप्पेहि-हिं-हिँ; अत्ताणेहि-हिं-हिँ, अत्तेहि-हिं-हिँ
च.–	अप्पाणस्स, अप्पणो, अप्पस्स; अत्ताणस्स, अत्तणो, अत्तस्स	अप्पाणाण, अप्पाणाणं, अप्पाण, अप्पाणं; अत्ताणाण, अत्ताणाणं, अत्ताण, अत्ताणं
पं.–	अप्पाणत्तो, अप्पाणाओ, अप्पाणाउ, अप्पाणाहि, अप्पाणाहिन्तो, अप्पाणा,	अप्पाणत्तो, अप्पाणाओ, अप्पाणाउ, अप्पाणाहि, अप्पाणाहिन्तो, अप्पाणासुन्तो, अप्पाणेहि, अप्पाणेहिन्तो, अप्पाणेसुन्तो,
	अप्पाणो, अप्पत्तो, अप्पाओ, अप्पाउ, अप्पाहि, अप्पाहिन्तो, अप्पा;	अप्पत्तो, अप्पाओ, अप्पाउ, अप्पाहि, अप्पाहिन्तो, अप्पासुन्तो, अप्पेहि, अप्पेहिन्तो, अप्पेसुन्तो;
	अत्ताणत्तो, अत्ताणाओ, अत्ताणाउ, अत्ताणाहि, अत्ताणाहिन्तो, अत्ताणा	अत्ताणत्तो, अत्ताणाओ, अत्ताणाउ, अत्ताणाहि, अत्ताणाहिन्तो, अत्ताणासुन्तो, अत्ताणेहि, अत्ताणेहिन्तो, अत्ताणेसुन्तो,
	अत्ताणो, अत्तत्तो, अत्ताओ, अत्ताउ, अत्ताहि, अत्ताहिन्तो, अत्ता	अत्तत्तो, अत्ताओ, अत्ताउ, अत्ताहि, अत्ताहिन्तो, अत्तासुन्तो, अत्तेहि, अत्तेहिन्तो, अत्तेसुन्तो
छ.–	अप्पाणस्स, अप्पणो, अप्पस्स; अत्ताणस्स, अत्तणो, अत्तस्स	अप्पाणाण, अप्पाणाणं, अप्पाण, अप्पाणं; अत्ताणाण, अत्ताणाणं, अत्ताण, अत्ताणं
स.–	अप्पाणम्मि, अप्पाणे, अप्पम्मि, अप्पे; अत्ताणम्मि, अत्ताणे, अत्तम्मि, अत्ते	अप्पाणेसु, अप्पाणेसुं, अप्पेसु, अप्पेसुं; अत्ताणेसु, अत्ताणेसुं, अत्तेसु, अत्तेसुं
सं.–	हे अप्पाणो, अप्पाण, अप्पो, अप्पा, अप्प; हे अत्ताणो, अत्ताण, अत्तो, अत्ता, अत्त	हे अप्पाणो, अप्पाणा, अप्पा; हे अत्ताणो, अत्ताणा, अत्ता

FOR PRIVATE & PERSONAL USE ONLY

राय (राजन्)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	राया	राया, रायाणो, राइणो
वी.–	रायं, राइणं	राए, राया, रायाणो, राइणो
त.–	राइणा, रण्णा, राएण, राएणं	राएहि–हिं–हिँ; राईहि–हिं–हिँ
च.–	रण्णो, राइणो, रायस्स	राईण, राईणं, रायाण, रायाणं
पं.–	रण्णो, राइणो, रायत्तो; रायाओ, रायाउ, रायाहि, रायाहिन्तो	रायत्तो, राइत्तो, राईउ, राईओ, राईहिन्तो, राईसुन्तो, रायाओ, रायाउ, रायाहिन्तो, रायासुन्तो
छ.–	रण्णो, राइणो, रायस्स	राईण, राईणं, रायाण, रायाणं
स.–	राये, रायम्मि, राइम्मि	राईसु, राईसुं, राएसु, राएसुं
सं.–	हे राया, राय	हे राया, रायाणो, राइणो

महव, महवाण (मधवन्)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	महवा, महवो	महवा
वी.–	महवं	महवे, महवा
त.–	महवणा, महवेण, महवेणं	महवेहि–हिं–हिँ
च.–	महवणो, महवस्स,	महवाण, महवाणं
पं.–	महवाणो, महवत्तो, महवाओ, महवाउ, महवाहि, महवाहिन्तो, महवा	महवत्तो, महवाओ, महवाउ, महवाहि, महवाहिन्तो, महवासुन्तो, महवेहि, महवेहिन्तो, महवेसुन्तो
छ.–	महवणो, महवस्स	महवाण, महवाणं
स.–	महवे, महवम्मि	महवेसु, महवेसुं
सं.–	हे महवा, महवो	हे महवा

मुद्ध, मुद्धाण (मूर्धन्)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	मुद्धा, मुद्धो	मुद्धा
वी.–	मुद्धं	मुद्धे, मुद्धा

FOR PRIVATE & PERSONAL USE ONLY

त.–	मुद्धणा, मुद्धेण, मुद्धेणं	मुद्धोहि-हिं-हिँ
च.–	मुद्धणो, मुद्धस्स	मुद्धाण, मुद्धाणं
पं.–	मुद्धत्तो, मुद्धाओ, मुद्धाउ, मुद्धाहि, मुद्धाहिन्तो, मुद्धा	मुद्धत्तो, मुद्धाओ, मुद्धाउ, मुद्धाहि, मुद्धाहिन्तो, मुद्धासुन्तो
छ.–	मुद्धणो, मुद्धस्स	मुद्धाण, मुद्धाणं
स.–	मुद्धे, मुद्धम्मि	मुद्धेसु, मुद्धेसुं
सं.–	हे मुद्धा, मुद्ध, मुद्धो	हे मुद्धा

जम्मो (जन्मन्) शब्द

	एकवचन	बहुवचन
प.–	जम्मो	जम्मा
वी.–	जम्मं	जम्मे, जम्मा
त.–	जम्मेण, जम्मेणं	जम्मेहि-हिं-हिँ
च.–	जम्माय, जम्मस्स	जम्माण, जम्माणं
पं.–	जम्मत्तो, जम्माओ, जम्माउ, जम्माहि, जम्माहिन्तो, जम्मा	जम्मत्तो, जम्माउ, जम्माओ, जम्माहि, जम्माहिन्तो, जम्मासुन्तो, जम्मेहिन्तो, जम्मेसुन्तो
छ.–	जम्मस्स	जम्माण, जम्माणं
स.–	जम्मे, जम्मम्मि	जम्मेसु, जम्मेसुं
सं.–	हे जम्म, जम्मा, जम्मो	हे जम्मा

जुओ, जुवाणी (युवन्), बम्हो, बम्हाणो (ब्रह्मन्), अद्धो, अद्धाणो (अध्वन्) उच्छो, उच्छाणो, (उक्षन्), गावो, गावाणो (ग्रावन्), पुसो, पुसाणो (पुषन्), तक्खो, तक्खाणो (तक्षन्), सुकम्मो, सुकम्माणो (सुकर्मन्), सो, साणो (श्वन्) इत्यादि शब्दों के रूप अप्पाण (आत्मन्) के समान और नम्मो (नर्मन्), मम्मो (मर्मन्), वम्मो, (वर्मन्), कम्मो (कर्मन्), अहो (अर्हन्), पम्हो (पक्ष्मन्) आदि शब्दों के रूप जम्मो (जन्मन्) शब्द के समान होते हैं।

चन्दमो (चन्द्रमस्)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	चन्दमो	चन्दमा
वी.–	चन्दमं	चन्दमे, चन्दमा

FOR PRIVATE & PERSONAL USE ONLY

त.–	चन्दमेण, चन्दमेणं	चन्दमेहि,–हिं–हिँ
च.–	चन्दमाय, चन्दमस्स	चन्दमाण, चन्दमाणं
प.–	चन्दमत्तो, चन्दमाओ, चन्दमाउ, चन्दमाहि, चन्दमाहिन्तो, चन्दमा	चन्दमत्तो, चन्दमाओ, चन्दमाउ, चन्दमाहि, चन्दमाहिन्तो, चन्दमासुन्तो आदि
छ.–	चन्दमस्स	चन्दमाण, चन्दमाणं
स.–	चन्दमे, चन्दमम्मि	चन्दमेसु, चन्दमेसुं
सं.–	हे चन्दम, चन्दमा, चन्दमो	हे चन्दमा

जसो (यशस्)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	जसो	जसा
वी.–	जसं	जसे, जसा

इससे आगे चन्दमो के समान रूप होते हैं।

उसणो (उशनस्)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	उसणो	उसणा
वी.–	उसणं	उसणे, उसणा

शेष रूप चन्दमो के समान होते हैं।

वर्तमानकृदन्त पुल्लिंग शब्द

हसन्तो, हसमाणो (हसत्, हसमाण)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	हसन्तो, हसमाण	हसन्ता, हसमाणा
वी.–	हसन्तं, हसमाणं	हसन्ते, हसन्ता, हसमाणे, हसमाणा
त.–	हसन्तेण, हसन्तेणं हसमाणेण, हसमाणेणं	हसन्तेहि–हिं–हिँ हसमाणेहि–हिं–हिँ
च.–	हसन्तस्स, हसमाणस्स	हसन्ताण, हसमाणाण, हसन्ताणं, हसमाणाणं

FOR PRIVATE & PERSONAL USE ONLY

प.–	हसन्तत्तो, हसन्ताओ, हसन्ताउ०; हसमाणत्तो, हसमाणाओ, हसमाणाउ०	हसन्तत्तो, हसन्ताहि, हसन्ताहिन्तो, हसन्तासुन्तो, हसमाणत्तो, हसमाणाहि, हसमाणाहिन्तो, हसमाणासुन्तो
छ.–	हसन्तस्स, हसमाणस्स	हसन्ताणं, हसन्ताण, हसमाणाण, हसमाणाणं
स.–	हसन्ते, हसन्तम्मि, हसमाणे, हसमाणम्मि	हसन्तेसु, हसन्तेसुं, हसमाणेसु, हसमाणेसुं
सं.–	हे हसन्तो, हे हसमाणो	हे हसन्ता, हे हसमाणा

वत् प्रत्ययान्त पुल्लिंग शब्द

भगवन्तो (भगवत्)

	एकवचन	**बहुवचन**
प.–	भगवन्तो	भगवन्ता
वी.–	भगवन्तं	भगवन्ते, भगवन्ता
त.–	भगवन्तेण, भगवन्तेणं	भगवन्तेहि-हिं-हिँ
च.–	भगवन्तस्स	भगवन्ताण, भगवन्ताणं
पं.–	भगवन्तत्तो, भगवन्ताओ, भगवन्ताउ, भगवन्ताहि, भगवन्ताहिन्तो	भगवन्तत्तो, भगवन्ताओ, भगवन्ताहि, भगवन्ताहिन्तो, भगवन्तासुन्तो इत्यादि
छ.–	भगवन्तस्स	भगवन्ताण, भगवन्ताणं
स.–	भगवन्ते, भगवन्तम्मि	भगवन्तेसु, भगवन्तेसुं
सं.–	हे भगवन्त, भगवन्तो	हे भगवन्ता

सोहिल्लो (शोभावत्)

	एकवचन	**बहुवचन**
प.–	सोहिल्लो	सोहिल्लो

शेष रूप भगवन्तो शब्द के समान होते हैं।

इसी प्रकार धणवन्तो (धनवान्), पुण्णमन्तो (पुण्यवान्), भत्तिमन्तो (भक्तिवान्), सिरीमन्तो (श्रीमान्), जडालो (जटवान्), जोण्हासो (ज्योत्स्नावान्), दण्पुलो (दर्पवान्), सद्दालो (शब्दवान्), कव्वइत्तो (काव्यवान्), माणइत्तो (मानवान्) आदि शब्दों के रूप चलते हैं।

FOR PRIVATE & PERSONAL USE ONLY

नेहालु (स्नेहवान्)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	नेहालू	नेहालओ, नेहालवी, नेहालउ, नेहालुणो, नेहालू
वी.–	नेहालुं	नेहालुणो, नेहालू

शेष रूप भाणु शब्द के समान होते हैं।

इसी प्रकार दयालु (दयावान्), ईसालु (ईर्ष्यावान्), लज्जालु (लज्जावान्) प्रभृति शब्दों के रूप बनते हैं।

तिरिच्छ, तिरिक्ख, तिरिअ, तिरिअंच (तिर्यञ्च)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	तिरिच्छो, तिरिक्खो, तिरिओ तिरिअंचो	तिरिच्छा, तिरिक्खा, तिरिआ, तिरिअंचा
वी.–	तिरिच्छं, तिरिक्खं, तिरिअं, तिरिअंचं	तिरिच्छे, तिरिच्छा, तिरिक्खे, तिरिक्खा, तिरिए, तिरिआ, तिरिअंचे, तिरिअंचा

इससे आगे सभी रूप देव शब्द के समान होते हैं।

भिसओ (भिषज्)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	भिसओ	भिसआ

शेष शब्द देव के समान होते हैं।

सरओ (शरद्)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	सरओ	सरआ

आगे के सभी रूप देवशब्द के समान होते हैं।

हलन्त स्त्रीलिंग शब्द

कम्मा (कर्मन्)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	कम्मा	कम्माओ, कम्माउ, कम्मा
वी.–	कम्मं	कम्माओ, कम्माउ, कम्मा

FOR PRIVATE & PERSONAL USE ONLY

त.–	कम्माअ, कम्माइ, कम्माए	कम्माहि-हिं-हिँ
च.–	कम्माअ, कम्माइ, कम्माए	कम्माण, कम्माणं
पं.–	कम्माअ, कम्माइ, कम्माए, कम्मत्तो, कम्माओ, कम्माउ, कम्माहिन्तो	कम्मत्तो, कम्माओ, कम्माउ, कम्माहिन्तो, कम्मासुन्तो
छ.–	कम्माअ, कम्माइ, कम्माए	कम्माण, कम्माणं
स.–	कम्माअ, कम्माइ, कम्माए	कम्मासु, कम्मासुं
सं.–	हे कम्मा	हे कम्माओ, कम्माउ, कम्मा

महिमा (महिमन्)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	महिमा	महिमाओ, महिमाउ, महिमा
वी.–	महिमं	महिमाओ, महिमाउ, महिमा

अवशिष्ट रूप कम्मा के समान होते हैं।

गरिमा (गरिमन्)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	गरिमा	गरिमाओ, गरिमाउ, गरिमा
वी.–	गरिमं	गरिमाओ, गरिमाउ, गरिमा

अवशिष्ट रूप कम्मा के समान होते हैं।

अच्चि (अर्चिस्)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	अच्ची	अच्चीओ, अच्चीउ, अच्ची
वी.–	अच्चिं	अच्चीओ, अच्चीउ, अच्ची
त.–	अच्चीअ, अच्चीआ, अच्चीइ, अच्चीए	अच्चीहि, अच्चीहिं, अच्चीहिँ
च.–	अच्चीअ, अच्चीआ, अच्चीइ, अच्चीए	अच्चीण, अच्चीणं

FOR PRIVATE & PERSONAL USE ONLY

पं.–	अच्चीअ, अच्चीआ, अच्चीइ, अच्चीए, अच्चित्तो, अच्चीओ, अच्चीउ, अच्चीहिन्तो	अच्चित्तो, अच्चीओ, अच्चीउ, अच्चीहिन्तो, अच्चीसुन्तो
छ.–	अचीअ, अच्चीआ, अच्चीइ, अच्चीए	अच्चीण, अच्चीणं
स.–	अच्चीअ, अच्चीआ, अच्चीइ, अच्चीए	अच्चीसु, अच्चीसुं
सं.–	हे अच्चि, अच्ची	हे अच्चीओ, अच्चीउ, अच्ची

वर्तमानकृदन्त स्त्रीलिंग

हसई, हसन्ती, हसमाणी (हसन्ती)

	एकवचन	**बहुवचन**
प.–	हसई, हसईआ, हसन्ती, हसन्तीआ, हसमाणी, हसमाणीआ	हसईआ, हसईउ, हसईओ, हसई, हसन्तीआ, हसन्तीउ, हसन्तीओ, हसन्ती, हसमाणीआ, हसमाणीउ, हसमाणीओ, हसमाणी
वी.–	हसईं, हसन्तिं, हसमाणिं	हसईआ, हसईउ, इसईओ, हसई; हसन्तीआ, हसन्तीउ, हसन्तीओ, हसन्ती; हसमाणीआ, हसमाणीउ, हसमाणीओ, हसमाणी
त.–	हसईअ, हसईआ, हसईइ, हसईए; हसन्तीअ, हसन्तीआ, हसन्तीइ, हसन्तीए; हसमाणीअ, हसमाणीआ, हसमाणीइ, हसमाणीए	हसईहि-हिं-हिँ; हसन्तीहि-हिं-हिँ; हसमाणीहि-हिं-हिँ
च.–	हसईअ, हसईआ, हसईइ, हसइए; हसन्तीअ, हसन्तीआ, हसन्तीइ, हसन्तीए; हसमाणीअ, हसमाणीआ, हसमाणीइ, हसमाणीए	हसईण, हसईणं, हसन्तीण, हसन्तीणं, हुसमाणीण, हुसमाणीणं

FOR PRIVATE & PERSONAL USE ONLY

प.– हसईअ, हसईआ, हसईइ, हसईए, हसइत्तो, हसईओ, हसईउ, हसईहिन्तो, हसइत्तो, हसईओ, हसईउ, हसईसुन्तो; हसन्तित्तो, हसन्तीओ, हसहसईहिन्तो; हसन्तीअ, हसन्तीआ, न्तीउ, हसन्तीहिन्तो, हसन्तीसुन्तो; हसहसन्तइ, हसन्तीए, हसन्तित्तो, माणित्तो, हसमाणीओ, हसमाणीउ, हसहसन्तीओ, हसन्तीउ, हसन्ती- माणीहिन्तो, हसमाणीसुन्तो
हिन्तो; हसमाणीअ, हसमाणीआ
हसमाणीइ, हसमाणीए, हसमा-
णित्तो, हसमाणीओ, हसमाणीउ,
हसमाणीहिन्तो

छ.– हसईअ, हसईआ, हसईइ, हसईण, हसईणं; हसन्तीण, हसन्तीणं;
हसईए; हसन्तीअ, हसन्तीआ, हसमाणीण, हसमाणीणं,
हसन्तीइ, हसन्तीए,
हसमाणीअ, हसमाणीआ,
हसमाणीइ, हसमाणीए

स.– हसईअ, हसईआ, हसईइ, हसईसु, हसईसुं, हसन्तीसु, हसन्तीसुं;
हसईए; हसन्तीअ, हसन्तीआ, हसमाणीसु, हसमाणीसुं
हसन्तीइ, हसन्तीए; हसमाणीअ,
हसमाणीआ, हसमाणीइ,
हसमाणीए

सं.– हे हसइ; हे हसन्ति; हे हसमाणि हे हसईआ, हसईउ, हसइओ, हसइ; हे हसन्तीआ, हसन्तीउ, हसन्तीओ, हसन्ती, हे हसमाणीआ, हसमाणीउ, हसमाणीओ, हसमाणी

भगवई (भगवती)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	भगवई, भगवईआ	भगवईआ, भगवईउ, भगवईओ, भगवई

शेष रूप लच्छी के समान होते हैं।

सरिआ (सरित्)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	सरिआ	सरिआओ, सरिआउ, सरिआ

शेष शब्दरूप माला के समान होते हैं।

FOR PRIVATE & PERSONAL USE ONLY

तडिआ, तडि (तडित्)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	तडिआ	तडिआओ, तडिआउ, तडिआ

'तडिआ' शब्द के शेष रूप माला के समान होते हैं।

तडि

	एकवचन	बहुवचन
प.–	तडी	तडीओ, तडीउ, तडी
वी.–	तडिं	तडीओ, तडीउ, तडी
त.–	तडीअ, तडीआ, तडीइ, तडीए	तडीहि-हिं-हिँ
च.–	तडीअ, तडीआ, तडीइ, तडीए	तडीण, तडीणं
प.–	तडीअ, तडीआ, तडीइ, तडीए	तडीओ, तडीउ, तडीहिन्तो, तडीसुन्तो
छ.–	तडीअ, तडीआ, तडीइ, तडीए	तडीण, तडीणं
स.–	तडीअ, तडीआ, तडीइ, तडीए	तडीसु, तडीसुं
सं.–	हे तडि, तडी	तडीओ, तडीउ, तडी

पाडिवआ, पडिवआ (प्रतिपद्)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	पाडिवआ	पाडिवआओ, पाडिवआउ, पाडिवआ
	पडिवआ	पडिवआओ, पडिवआउ, पडिवआ

शेष रूप कम्मा के समान होते हैं।

संपया (संपद्)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	संपया	संपयाओ, संपयाउ, संपया

शेष रूप कम्मा के समान हैं।

छुहा (क्षुध्)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	छुहा	छुहाओ, छुहाउ, छुहा
वी.–	छुहं	छुहाओ, छुहाउ, छुहा

शेष रूप कम्मा के समान होते हैं।

FOR PRIVATE & PERSONAL USE ONLY

कउहा (ककुम्)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	कउहा	कउहाओ, कउहाउ, कउहा

शेष रूप कम्मा के समान होते हैं।

गिरा [गिर्]

	एकवचन	बहुवचन
प.–	गिरा	गिराओ, गिराउ, गिरा

शेष रूप कम्मा के समान होते हैं।

गिरा के समान धुरा (धुर्) और पुरा (पुर्) शब्द के रूप होते हैं।

दिसा [दिश्]

	एकवचन	बहुवचन
प.–	दिसा	दिसाओ, दिसाउ, दिसा

शेष रूप कम्मा के समान होते हैं।

अच्छरसा, अच्छरा (अप्परस्)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	अच्छरसा	अच्छरसाओ, अच्छरसाउ, अच्छरसा
वी.–	अच्छरा	अच्छराओ, अच्छराउ, अच्छरा

अवशिष्ट रूप कम्मा के समान होते हैं।

तिरच्छो (तिरञ्ची)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	तिरछी, तिरच्छीआ	तिरच्छीआ, तिरच्छीओ, तिरच्छीउ, तिरच्छी
वी.–	तिरच्छिं	तिरच्छीआ, तिरच्छीओ, तिरच्छीउ, तिरच्छी

अवशिष्ट रूप नई शब्द के समान होते हैं।

FOR PRIVATE & PERSONAL USE ONLY

विज्जु (विद्युत्)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	विज्जू	विज्जूओ, विज्जूउ, विज्जू
वी.–	विज्जुं	विज्जूओ, विज्जूउ, विज्जू
त.–	विज्जूअ, विज्जूआ, विज्जूइ, विज्जूए	विज्जूहि-हिं-हिँ
च.–	विज्जूअ, विज्जूआ, विज्जूइ, विज्जूए	विज्जूण, विज्जूणं
पं.–	विज्जूअ, विज्जूआ, विज्जूइ, विज्जूए, विज्जुत्तो, विज्जूओ, विज्जूउ, विज्जूहिन्तो	विज्जुत्तो, विज्जूओ, विज्जूउ, विज्जूहिन्तो, विज्जूसुन्तो
छ.–	विज्जूअ, विज्जूआ, विज्जूइ, विज्जूए	विज्जूण, विज्जूणं
स.–	विज्जूअ, विज्जूआ, विज्जूइ, विज्जूए	विज्जूसु, विज्जूसुं
सं.–	हे विज्जू, विज्जु	हे विज्जूओ, विज्जूउ, विज्जू

व्यञ्जनान्त नपुंसकलिंग शब्द

दाम (दामन्)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	दामं	दामाइं, दामाइँ, दामाणि
वी.–	दामं	दामाइं, दामाइँ, दामाणि
त.–	दामेण, दामेणं	दामेहि, दामेहिं, दामेहिँ
च.–	दामाय, दामस्स	दामाण, दामाणं
पं.–	दामत्तो, दामाओ, दामाउ, दामाहिन्तो, दामा	दामत्तो, दामाओ, दामाउ, दामाहि, दामाहिं, दामाहिन्तो, दामासुन्तो
छ.–	दामस्स	दामाण, दामाणं
स.–	दामे, दामम्मि	दामेसु, दामेसुं
सं.–	हे दाम	हे दामाइं, दामाइँ, दामाणि

FOR PRIVATE & PERSONAL USE ONLY

नाम (नामन्)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	नामं	नामाइं, नामाइँ, नामाणि
वी.–	नामं	नामाइं, नामाइँ, नामाणि

इससे आगे के रूप दाम के समान होते हैं।

पेम्म (प्रेमन्)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	पेम्मं	पेम्माइं, पेम्माइँ, पेम्माणि
वी.–	पेम्मं	पेम्माइं, पेम्माइँ, पेम्माणि

शेष शब्दरूप दाम के समान होते हैं।

अह (अहन्)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	अहं	अहाइं, अहाइँ, अहाणि
वी.–	अहं	अहाइं, अहाइँ, अहाणि

अवशेष रूप दाम के समान हैं।

सान्त नपुंसकलिंग शब्द

सेयं (श्रेयस्)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	सेयं	सेयाइं, सेयाइँ, सेयाणि
वी.–	सेयं	सेयाइं, सेयाइँ, सेयाणि

इससे आगे के रूप वन शब्द के समान होते हैं।

वयं [वयस्]

	एकवचन	बहुवचन
प.–	वयं	वयाइं, वयाइँ, वयाणि
वी.–	वयं	वयाइं, वयाइँ, वयाणि

इससे आगे के रूप वन शब्द के समान होते हैं।

FOR PRIVATE & PERSONAL USE ONLY

वर्तमान कृदन्त नपुंसकलिंग—हसन्त, हसमाण

	एकवचन	बहुवचन
प.–	हसन्तं	हसन्ताइं, हसन्ताइँ, हसन्ताणि
	हसमाणं	हसमाणाइं, हसमाणाइँ, हसमाणाणि
वी.–	हसन्तं	हसन्ताइं, हसन्ताइँ, हसन्ताणि
	हसमाणं	हसमाणाइं, हसमाणाइँ, हसमाणाणि

अवशिष्ट रूप वण शब्द के समान होते हैं।

इसी प्रकार वेवन्तं, वेवमाणं; धरन्तं, धरमाणं; सवन्तं, सवमाणं; महन्तं, महमाणं आदि शब्दों के रूप भी होते हैं।

वत् प्रत्ययान्त नपुंसकलिंग शब्द

भगवन्तं (भगवत्)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	भगवन्तं	भगवन्ताइँ, भगवन्ताइं, भगवन्ताणि

शेष रूप वण के समान होते हैं।

आउसो, आउ (आउष्)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	आउसं	आउसाइं, आउसाइँ, आउसाणि
वी.–	आउसं	आउसाइं, आउसाइँ, आउसाणि

शेष रूप वण शब्द के समान होते हैं।

आउ

	एकवचन	बहुवचन
प.–	आउं	आऊइं, आऊइँ, आऊणि
वी.–	आउं	आऊइं, आऊइँ, आऊणि
त.–	आउणा	आऊहि-हिं-हिँ
च.–	आउणो, आउस्स	आऊण, आऊणं
प.–	आउणो, आउत्तो, आऊओ, आऊउ, आऊहिन्तो	आउत्तो, आऊओ, आऊउ, आऊहिन्तो, आऊसुन्तो

FOR PRIVATE & PERSONAL USE ONLY

छ.–	आउणो, आउस्स	आऊण, आऊणं
स.–	आउम्मि	आऊसु, आऊसुं
सं–	हे आउ	हे आऊइं, आऊइँ, आऊणि

सर्वनाम शब्द

सव्व (सर्व)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	सव्वो	सव्वे
वी.–	सव्वं	सव्वे, सव्वा
त.–	सव्वेण, सव्वेणं	सव्वेहि-हिं-हिँ
च.–	सव्वाय, सव्वस्स	सव्वेसिं, सव्वाण, सव्वाणं
पं.–	सव्वत्तो, सव्वाओ, सव्वाउ, सव्वाहि, सव्वाहिन्तो, सव्वा	सव्वत्तो, सव्वाओ, सव्वाउ, सव्वाहि, सव्वाहिन्तो, सव्वासुन्तो, सव्वेहिन्तो, सव्वेसुन्तो
छ.–	सव्वस्स	सव्वेसिं, सव्वाण, सव्वाणं
स.–	सव्वहिं, सव्वम्मि, सव्वस्सिं	सव्वेसु, सव्वेसुं
सं.–	हे सव्व, हे सव्वो	हे सव्वे

सुव (स्व)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	सुवो	सुवे
वी.–	सुवं	सुवे, सुवा
त.–	सुवेण, सुवेणं	सुवेहि-हिं-हिँ
च.–	सुवाय, सुवस्स	सुवेसिं, सुवाण, सुवाणं
पं.–	सुवत्तो, सुवाओ, सुवाउ, सुवाहि, सुवाहिन्तो, सुवा	सुवत्तो, सुवाओ, सुवाउ, सुवाहि, सुवाहिन्तो, सुवासुन्तो, सुवेहि, सुवेहिन्तो, सुवेसुन्तो
छ.–	सुवस्स	सुवेसिं, सुवाण, सुवाणं
स.–	सुवहिं, सुवम्मि, सुवस्सिं, सुवत्थ	सुवेसु, सुवेसुं
सं.–	हे सुव, हे सुवो	हे सुवो

FOR PRIVATE & PERSONAL USE ONLY

अन्न (अन्य)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	अन्नो	अन्ने
वी.–	अन्नं	अन्ने, अन्ना
त.–	अन्नेण, अन्नेणं	अन्नेहि-हिं-हिँ
च.–	अन्नाय, अन्नस्स	अन्नेसिं, अन्नाण, अन्नाणं
पं.–	अन्नत्तो, अन्नाओ, अन्नाउ, अन्नाहि, अन्नाहिन्तो, अन्ना	अन्नत्तो, अन्नाओ, अन्नाउ, अन्नाहि, अन्नाहिन्तो, अन्नेहिन्तो, अन्नासुन्तो, अन्नेसुन्तो
छ.–	अन्नस्स	अन्नेसिं, अन्नाण, अन्नाणं
स.–	अन्नहिं, अन्नम्मि, अन्नासिं, अन्नत्थ	अन्नेसु, अन्नेसुं
सं.–	हे अन्न, हे अन्नो	हे अन्ने

पुव्व, पुरिम (पूर्व)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	पुव्वो पुरिमो	पुव्वे पुरिमे
वी.–	पुव्वं पुरिमं	पुव्वे, पुव्वा पुरिमे, पुरिमा
त.–	पुव्वेण, पुव्वेणं पुरिमेण, पुरिमेणं	पुव्वेहि-हिं-हिँ पुरिमेहि-हिं-हिँ
च.–	पुव्वाय, पुव्वस्स पुरिमाय, पुरिमस्स	पुव्वेसिं, पुव्वाण, पुव्वाणं पुरिमेसिं, पुरिमाण, पुरिमाणं
पं.–	पुव्वत्तो, पुव्वाओ, पुव्वाउ, पुव्वाहि, पुव्वाहिन्तो, पुव्वा पुरिमत्तो, पुरिमाओ, पुरिमाउ, पुरिमाहि, पुरिमाहिन्तो, पुरिमा	पुव्वत्तो, पुव्वाओ, पुव्वाउ, पुव्वाहि, पुव्वाहिन्तो, पुव्वासुन्तो, पुव्वेहिन्तो, पुव्वेसुन्तो पुरिमत्तो, पुरिमाओ, पुरिमाउ, पुरिमाहि, पुरिमाहिन्तो, पुरिमासुन्तो, पुरिमेहिन्तो, पुरिमेसुन्तो

FOR PRIVATE & PERSONAL USE ONLY

छ.–	पुव्वस्स; पुरिमस्स	पुव्वेसिं, पुव्वाण, पुव्वाणं पुरिमेसिं, पुरिमाण, पुरिमाणं
स.–	पुव्वेहिं, पुव्वम्मि, पुव्वस्सिं, पुव्वत्थ पुरिमहिं, पुरिमम्मि, पुरिमस्सिं, पुरिमत्थ	पुव्वेसु, पुव्वेसुं; पुरिमेसु, पुरिमेसुं
सं.–	हे पुव्वो, हे पुव्व हे पुरिम, हे पुरिमो	हे पुव्वे हे पुरिमे

वीस (विश्व), उह, उभ (उभ), अवह, उवह, उभय (उभय), अण्ण, अन्न (अन्य), अण्णयर (अन्यतर), इअर (इतर), कयर, (कतर), कइम (कतम), णेम, नेम (नेम), सम, सिम, अवर (अपर), दाहिण, दक्खिण (दक्षिण), उत्तर, अवर, अहर (अधर), स और अंतर शब्दों के रूप 'सव्व' के समान होते हैं।

पुल्लिंग ण, त (तत्)

	एकवचन	**बहुवचन**
प.–	सो, ण	ते, णे
वी.–	तं, णं	ते, ता, णे, णा
त.–	तिणा, तेण, तेणं; णिणा, णेण, णेणं	तेहि-हिं-हिँ; णेहि-हिं-हिँ
च.–	तास, तस्स, से	तास, तेसिं, सिं ताण, ताणं
पं.–	तो, तम्हा, तत्तो, ताओ, ताउ, ताहि, ताहिन्तो, ता	तत्तो, ताओ, ताउ, ताहि, ताहिन्तो, तासुन्तो, तेहि, तेसुन्तो, तेहिन्तो
छ.–	तास, तस्स, से	तास, तेसिं, सिं, ताण, ताणं
स.–	ताहे, ताला, तइआ, तहिं तम्मि, तस्सिं, तत्थ	तेसु, तेसुं

ज (यद्)

	एकवचन	**बहुवचन**
प.–	जो	जे
वी.–	जं	जे, जा
त.–	जिणा, जेण, जेणं	जेहि-हिं-हिँ

FOR PRIVATE & PERSONAL USE ONLY

च.–	जास, जस्स	जे, जाण, जाणं
पं.–	जम्हा, जत्तो, जाओ, जाउ, जाहि, जाहिन्तो, जा	जत्तो, जाओ, जाउ, जाहि, जाहिन्तो, जासुन्तो, जेहि, जेहिन्तो, जेसुन्तो
छ.–	जास, जस्स	जेसिं, जाण, जाणं
स.–	जाहे, जाला, जइआ, जहिं, जम्मि, जस्सिं, जत्थ	जेसु, जेसुं

क (किम्)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	को	के
वी.–	कं	के, का
त.–	किणा, केण, केणं	केहि-हिं-हिँ
च.–	कास, कस्स	कास, केसिं, काण, काणं
पं.–	किणो, कीस, कम्हा, कत्तो, काओ, काउ, काहि, काहिन्तो, का	कत्तो, काओ, काउ, काहि, काहिन्तो, कासुन्तो, केहि, केहिन्तो, केसुन्तो
छ.–	कास, कस्स	कास, केसिं, काण, काणं
स.–	काहे, काला, कइआ, कहिं, कम्मि, कस्सिं, कत्थ	केसु, केसुं

एत, एअ (एतद्)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	एसो, एस, इणं, इणमो	एते, एए
वी.–	एतं, एअं	एते, एता, एस, एआ
त.–	एतेणा, एतेण, एतेणं; एइणा, एएण, एएणं	एतेहि-हिं-हिँ एएहि-हिं-हिँ
च.–	से, एतिस्स, एअस्स	सिं, एतेसिं, एताण, एताणं, एएसिं, एआणं, एयाणं
पं.–	एत्तो, एत्ताहे, एतत्तो, एताओ, एताउ, एताहि, एताहिन्तो, एता; एअत्तो, एआओ, एआउ, एआहि, एआहिन्तो, एआ	एतत्तो, एताओ, एताउ, एताहि, एताहिन्तो, एतासुन्तो, एतेहि, एतेहिन्तो एतेसुन्तो; एअत्तो, एआओ, एआउ, एआहि, एआहिन्तो, एआसुन्तो।

FOR PRIVATE & PERSONAL USE ONLY

छ.–	से, एअस्स, एतस्स	सिं, एतेसिं, एताण, एताणं, एएसिं, एआण, एआणं
स.–	आयम्मि, इअम्मि, एतम्मि, एतस्सिं, एअम्मि, एअस्सिं, एत्थ	एतेसु, एतेसुं, एएसु, एएसुं

अमु (अदस्)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	अमू	अमुणो, अमवो, अमओ, अमउ, अमू
वी.–	अमुं	अमू, अमुणो
त.–	अमुणा	अमूहि-हिं-हिँ
च.–	अमुणो, अमुस्स	अमूण, अमूणं
पं.–	अमुणो, अमुत्तो, अमूओ, अमूउ, अमूहिन्तो	अमुत्तो, अमूओ, अमूउ, अमूहिन्तो, अमूसुन्तो
छ.–	अमुणो, अमुस्स	अमूण, अमूणं
स.–	अयम्मि, इअम्मि, अमुम्मि	अमूसु, अमूसुं

इम (इदम्)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	अयं, इमो	इमे
वी.–	इणं, इमं, णं	इमे, इमा, णे, णा
त.–	इमिणा, इमेण, इमेणं, णिणा, णेण, णेणं	इमेहि-हिं-हिँ; णेहि-हिं-हिँ; एहि-हिं-हिँ
च.–	से, इमस्स, अस्स	सि, इमेसिं, इमाण, इमाणं
पं.–	इमत्तो, इमाओ, इमाउ, इमाहि, इमाहिन्तो, इमा	इमत्तो, इमाओ, इमाउ, इमाहि, इमाहिन्तो, इमासुन्तो
छ.–	से, इमस्स, अस्स	सिं, इमेसिं, इमाण, इमाणं
स.–	अस्सिं, इमम्मि, इमस्सिं, इह	इमेसु, इमेसुं, एसु, एसुं

स्त्रीलिंग सर्वनाम शब्द

सव्वा (सर्वा)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	सव्वा	सव्वाओ, सव्वाउ, सव्वा
वी.–	सव्वं	सव्वाओ, सव्वाउ, सव्वा

FOR PRIVATE & PERSONAL USE ONLY

त.–	सव्वाअ, सव्वाइ, सव्वाए	सव्वाहि-हिं-हिँ
च.–	सव्वाअ, सवाइ, सव्वाए	सव्वेसिं, सव्वाण, सव्वाणं
पं.–	सव्वाअ, सव्वाइ, सव्वाए, सव्वत्तो, सव्वाओ, सव्वाउ, सव्वाहिन्तो	सव्वत्तो, सव्वाओ, सव्वाउ, सव्वाहिन्तो, सव्वासुन्तो
छ.–	सव्वाअ, सव्वाइ, सव्वाए	सव्वेसिं, सव्वाण, सव्वाणं
स.–	सव्वाअ, सव्वाइ, सव्वाए	सव्वासु, सव्वासुं
सं.–	हे सव्वे, सव्वा	हे सव्वाओ, सव्वाउ, सव्वा

सुवा (स्वा)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	सुवा	सुवाओ, सुवाउ, सुवा
वी.–	सुवं	सुवाओ, सुवाउ, सुवा
त.–	सुवाअ, सुवाइ, सुवाए	सुवाहि-हिं-हिँ
च.–	सुवाअ, सुकाइ, सुवाए	सुवेसिं, सुवाण, सुवाणं
पं.–	सुवाअ, सुवाइ, सुवाए, सुवत्तो, सुवाओ, सुवाउ, सुवाहिन्तो	सुवत्तो, सुवाओ, सुवाउ, सुवाहिन्तो, सुवासुन्तो,
छ.–	सुवाअ, सुवाइ, सुवाए	सुवेसिं, सुवाण, सुवाणं
स.–	सुवाअ, सुवाइ सुवाए	सुवासु, सुवासुं
सं.–	हे सुवे, सुवा	हे सुवाओ, सुवाउ, सुवा

अण्णा—अन्ना (अन्या)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	अण्णा	अण्णाओ, अण्णाउ, अण्णा
वी.–	अण्णं	अण्णाओ, अण्णाउ, अण्णा

शेष रूप सव्वा शब्द के समान होते हैं।

दाहिणा, दक्खिणा (दक्षिणा)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	दाहिणा; दक्खिणा	दाहिणाओ, दाहिणाउ, दाहिणा दक्खिणाओ, दक्खिणाउ, दक्खिणा

FOR PRIVATE & PERSONAL USE ONLY

वी.–	दाहिणं,	दाहिणाओ, दाहिणाउ, दाहिणा
	दक्खिणे	दक्खिणाओ, दक्खिणाउ, दक्खिणा

शेष रूप सव्वा शब्द के समान हैं।

सा (तद्)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	सा, णा	तीओ, तीआ, तीउ, ती, ताओ, ताउ, ता
वी.–	तं, णं	तीओ, तीआ, तीउ, ती, ताओ, ता
त.–	तीअ, तीआ, तीइ, तीए, ताअ, ताइ, ताए णाअ, णाइ, णाए	तीहि-हिं-हिँ; ताहि-हिं-हिँ, णाहि-हिं-हिँ
च.–	तिस्सा, तीसे, तीअ, तीआ तीइ, तीए, तास, से, ताअ ताइ, ताए	सिं, तेसिं, ताण, ताणं, तास
पं.–	तीअ, ताआ, तीइ, तीए; तित्तो, तीओ, तीउ, तीहिन्तो, तीसुन्तो, तित्तो, तीओ, तीउ, तीहिन्तो; तत्तो, ताओ, ताउ, ताहिन्तो, तासुन्तो ताअ, ताइ, ताए, तो, म्हा, तत्तो, ताओ, ताउ, ताहिन्तो	
छ.–	तिस्सा, तीसे, तीअ, तीआ, तीइ, तीए, तास, से, ताअ, ताइ, ताए	सिं, तेसिं, ताण, ताणं, तास
स.–	तीअ, तीआ, तीइ, तीए ताअ, ताइ, ताए	तीसु, तीसुं तासु, तासुं

जा (यद्)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	जा	जीओ, जीआ, जीउ, जी; जाओ, जाउ, जा
वी–	जं	जीओ, जीआ, जीउ, जी; जाओ, जाउ, जा
त.–	जीअ, जीआ, जीइ, जीए; जाअ, जाइ, जाए	जीहि, जीहिं, जीहिँ; जाहि-हिं-हिँ

FOR PRIVATE & PERSONAL USE ONLY

च.– जिस्सा, जीसे, जीअ, जीआ, जीइ, जीए; जाअ, जाइ, जाए — जेसिं, जाण, जाणं

पं.– जीअ, जीआ, जीइ, जीए, जित्तो, जीओ, जीउ, जीहिन्तो; जाअ, जाइ, जाए, जम्हा, जत्तो, जाओ, जाउ, जाहिन्तो — जत्तो, जाओ, जाउ, जाहिन्तो, जासुन्तो

छ.– जिस्सा, जीसे, जीअ, जीए, जाअ, जाए — जेसिं, जाण, जाणं

स.– जीअ, जीए, जाअ, जाइ, जाए — जीसु, जीसुं, जासु, जासुं

का (किम्)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	का	कीओ, काउ, की, काओ, काउ, का
वी.–	कं	कीओ, काउ, की, काओ, काउ, का
त. –	कीअ, कीए, काअ, काए	कीहि–हिं–हिँ; काहि–हिं–हिँ
च.–	किस्सा, कीसे, कीअ, कास, काए	केसिं, काण, काणं, कास
पं.–	कीअ, कीए, कित्तो, कीओ, कीहिन्तो, काअ, कत्तो, काओ, काहिन्तो	कित्तो, कीओ, कीउ, कीहिन्तो, कीसुन्तो; कत्तो, काओ, काउ, काहिन्तो, कासुन्तो
छ.–	किस्सा, कीसे, कीए, कास, काइ, काए	केसिं, काण, काणं
स.–	कीअ, कीआ, कीइ, काअ, काइ, काए	कीसु, कीसुं; कासु, कासुं

एई, एआ (एतद्)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	एसा, एस, इणं, इणमो, एई, एईआ	एईआ, एईओ, एईउ एई; एआउ, एआओ, एआ
वी.–	एइं, एअं	एईआ, एईओ, एईउ, एई; एआओ, एआउ, एआ
त.–	एईअ, एईआ, एईइ, एईए; एआअ, एआए	एईहि–हिं–हिँ; एआहि–हिं–हिँ

FOR PRIVATE & PERSONAL USE ONLY

च.–	एईअ, एआअ, एईइ, एआए	एईण, एईणं; सिं, एआण, एआणं
पं.–	एईअ, एईआ, एईइ, एइत्तो, एईहिन्तो, एआअ, एअत्तो, एआहिन्तो	एअत्तो, एआओ, एआउ, एआहिन्तो, एआसुन्तो
छ.–	एईअ, एईआ, एईइ, एआअ, एआए	एईण, सिं, एआण, एआणं
स.–	एईअ, एईआ, एआअ, एआइ	एईसु, एईसुं; एआसु, एआसुं

अमु (अदस्)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	अमू	अमूओ, अमूउ, अमू
वी.–	अमुं	अमूओ, अमूउ, अमू
त.–	अमूअ, अमूआ, अमूइ, अमूए	अमूहि-हिं-हिँ
च.–	अमूअ, अमूआ, अमूइ, अमृए	अमूण, अमूणं
पं.–	अमूअ, अमूह, अमूए, अमुत्तो, अमूओ	अमुत्तो, अमूओ, अमूउ, अमूहिन्तो, अमूसुन्तो
छ.–	अमूअ, अमूआ, अमूइ, अमूए	अमूण, अमूणं
स.–	अमूअ, अमूआ, अमूइ, अमूए	अमूसु, अमूसुं

इमी, इमा (इदम्)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	इमी, इमीअ, इमीआ, इमा	इमीआ, इमीओ, इमाओ, इमाउ, इमा
वी.–	इमिं, इमं, इणं, णं	इमीआ, इमीओ, इमाओ, इमाउ, णाओ, णाउ
त.–	इमीअ, इमीआ, इमाअ, इमाए, णाअ, णाये	इमीहि-हिं-हिँ; इमाहि-हिं-हिँ, णाहि-हिं-हिँ
च.–	इमीअ, इमीइ, इमाअ, इमाइ, इमाए	इमीण, इमीणं, इमेसिं, इमाण, इमाणं
पं.–	इमीअ, इमीआ, इमीए, इमित्तो, इमाओ, इमाअ, इमाइ, इमाउ, इमत्तो, इमाहिन्तो	इमित्तो, इमीहिन्तो, इमीसुन्तो; इमत्तो, इमाओ, इमाहिन्तो, इमासुन्तो

FOR PRIVATE & PERSONAL USE ONLY

छ.–	इमीअ, इमीइ, इमीए, इमाअ इमाए	इमीण, इमीणं, इमेसिं, इमाण, इमाणं
स.–	इमीअ, इमीआ, इमीए, इमाअ, इमाए	इमीसु, इमीसुं; इमासु, इमासुं

नपुंसकलिंग सर्वनाम शब्द

सव्व (सर्व)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	सव्वं	सव्वाइं, सव्वाइँ, सव्वाणि
वी.–	सव्वं	सव्वाइं, सवाइँ, सव्वाणि
त.–	सव्वेण, सव्वेणं	सव्वेहि-हिं-हिँ
च.–	सव्वाय, सव्वस्स	सव्वेसिं, सव्वाण, सव्वाणं
पं.–	सव्वत्तो, सव्वाओ, सव्वाउ, सव्वाहि, सव्वाहिन्तो, सव्वा	सव्वत्तो, सव्वाओ, सव्वाउ, सव्वाहि, सव्वाहिन्तो, सव्वासुन्तो, सव्वेहिन्तो सव्वेसुन्तो
छ.–	सव्वाय, सव्वस्स	सव्वेसिं, सव्वाण, सव्वाणं
स.–	सव्वहिं, सव्वस्सिं, सव्वम्मि सव्वत्थ,	सव्वेसु, सव्वेसुं,
सं–	हे सव्व	हे सव्वाइं, सव्वाइँ, सव्वाणि

सुव (स्व)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	सुवं	सुवाइं, सुवाइँ, सुवाणि
वी.–	सुवं	सुवाइँ, सुवाइँ, सुवाणि

शेष रूप पुल्लिंग के समान होते हैं।

पुव्व, पुरिम (पूर्व)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	पुव्वं पुरिमं	पुव्वाइं, पुव्वाइँ, पुव्वाणि पुरिमाइं, पुरिमाइँ, पुरिमाणि
वी.–	पुव्वं पुरिमं	पुव्वाइं, पुव्वाइँ, पुव्वाणि पुरिमाइं, पुरिमाइँ, पुरिमाणि

शेष रूप पुल्लिंग के समान होते हैं।

FOR PRIVATE & PERSONAL USE ONLY

त (तद्)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	तं, णं	ताइं, ताइँ, ताणि, णाइं, णाइँ, णाणि
वी.–	तं, णं	ताइं, ताइँ, ताणि, णाइं, णाइँ, णाणि

शेष रूप पुल्लिंग के समान होते हैं।

ज (यद्)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	जं	जाइं, जाइँ, जाणि
वी.–	जं	जाइं, जाइँ, जाणि

शेष रूप पुल्लिंग के समान होते हैं।

किं (किम्)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	किं	काइं, काइँ, काणि
वी.–	किं	काइं, काइँ, काणि

शेष रूप पुल्लिंग के समान होते हैं।

एअ (एतद्)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	एअं, एस, इणं, इणमो	एआइं, एआइँ, एआणि
वी.–	एअं	एआइं, एआइँ, एआणि

शेष रूप पुल्लिंग के समान होते हैं।

अमु (अदस्)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	अमुं	अमूइं, अमूइँ, अमूणि
वी.–	अमुं	अमूइं, अमूइँ, अमूणि

शेष रूप पुल्लिङ्ग के समान होते हैं।

इम (इदम्)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	इदं, इणमो, इणं	इमाइं, इमाइँ, इमाणि
वी.–	इदं, इणमो, इणं	इमाइं, इमइँ, इमाणि

शेष रूप पुंल्लिङ्ग के समान होते हैं।

FOR PRIVATE & PERSONAL USE ONLY

तीनों लिंगों में समान—युष्मद् शब्द

	एकवचन	बहुवचन
प.–	तुमं, तं, तुं, तुवं, तुह	भे, तुब्भे, तुज्झ, तुम्ह, तुय्हे, उय्हे, तुम्हे, तुज्झे, उम्हे
वी.–	तं, तुं, तुवं, तुमं, तुह, तुमे, तुए	वो, तुज्झ, तुज्झे, तुम्हे, तुह्मे, तुय्हे, उय्हे, भे
त.–	भे, दि, दे, ते, तइ, तुए, तुमं, तए, तुमइ, तुमए, तुमे, तुमाइ	भे, तुब्भेहिं, तुम्हेहिं, तुज्झेहिं, उज्झेहिं, उम्हेहिं, तुय्हेहिं, उय्हेहिं
च., छ.–	तइ, तु, ते, तुम्हं, तुह, तुहं, तुव, तुम, तुमे, तुमो, तुमाइ, दि, दे, इ, ए, तुब्भ, तुम्ह, तुज्झ, उब्भ, उम्ह, उज्झ, उय्ह	तु, वो, भे, तुब्भ, तुम्ह, तुज्झ, तुब्भं, तुम्हं, तुज्झं, तुब्भाण, तुम्हाण, तुज्झाण, तुवाण, तुमाण, तुहाण, उम्हाण, उम्हाणं, तुब्भाणं, तुम्हाणं आदि
पं.–	तइत्तो, तईओ, तईउ, तईहिन्तो, तुवत्तो, तुवाओ, तुवाउ, तुवाहि, तुवाहिन्तो; तुव, तुमत्तो; तुहत्तो, तुहाओ, तुहाहि; तुब्भत्तो, तुब्भाहिन्तो; तुम्हत्तो, तुम्हाहिन्तो, तुज्झाउ, तुज्झाहि, तुय्ह, तुब्भ, तुम्ह, तुज्झ	तुब्भत्तो, तुब्भाहिन्तो, तुब्भासुन्तो; तुम्हत्तो, तुम्हाहिन्तो, तुम्हासुन्तो; तुम्हेहि; तुज्झत्तो, तुज्झाओ, तुज्झाहिन्तो, तुज्झासुन्तो, तुय्हत्तो, तुय्हाउ; उय्हत्तो, उय्हासुन्तो; उम्हत्तो, उम्हाओ, उम्हाहिन्तो, उम्हासुन्तो
सं.–	तुमे, तुमए, तुमाइ, तइ, तए तुम्मि, तुवम्मि,तुवस्सिं, तुवत्थ, तुमम्मि, तुमस्सिं, तुमत्थ, तुहम्मि, तुहस्सिं, तुहत्थ, तुब्भम्मि, तुब्भस्सिं, तुब्भत्थ, तुम्हम्मि, तुम्हस्सिं, तुम्हत्थ, तुज्झम्मि, तुज्झस्सिं, तुज्झत्थ	तुसु, तुसुं, तुवेसुं, तुवेसु, तुमेसुं, तुमेसु, तुहेसुं, तुहेसु, तुब्भेसुं, तुब्भेसु, तुम्हेसु, तुम्हेसुं, तुज्झेसु, तुज्झेसुं, तुमसु, तुमसुं, तुम्हसु, तुम्हसुं, तुज्झासु, तुज्झासुं, तुम्हासु, तुम्हासुं

FOR PRIVATE & PERSONAL USE ONLY

तीनों लिंगो में समान 'अस्मद्' शब्द

	एकवचन	बहुवचन
प.–	म्मि, अम्मि, अम्हि, हं, अहं, अहयं	अम्ह, अम्हे, अम्हो, मो, वयं, भे
वी.–	णे, णं, मि, अम्मि, अम्ह, मम्ह, मं, ममं, मिमं, अहं	अम्हे, अम्हो, अम्ह, णे
त.–	मि, मे, ममं, ममए, ममाइ, मइ, मए, णे	अम्हेहि, अम्हाहि, अम्ह, अम्हे, णे
च., छ.–	मे, मइ, मम, मह, मज्झं, मज्झ, मम्हं, अम्ह, अम्हं	णे, णो, मज्झ, अम्ह, अम्हं, अम्हे, अम्हो, अम्हाण, ममाण, ममाणं, महाण, मज्झाणं, महाणं
पं.–	मइत्तो, मईओ, मईउ, मईहिन्तो; ममत्तो, ममाओ, ममाउ, ममाहि, ममाहिन्तो, मम; महत्तो, महाओ, महाउ, महाहि, महाहिन्तो, महा; मज्झत्तो, मज्झाओ, मज्झाउ, मज्झाहि, मज्झाहिन्तो, मज्झा	ममत्तो, ममाओ, ममाउ, ममाहि, ममाहिन्तो, ममासुन्तो, अम्हत्तो, अम्हाओ, अम्हाउ, अम्हाहि, अम्हाहिन्तो, अम्हासुन्तो, अम्हेहि, अम्हेहिन्तो, अम्हेसुन्तो
स.–	मि, मइ, ममाइ, मए, मे, अम्हम्मि, अम्हस्सिं, अम्हत्थ; ममम्मि, ममस्सिं, ममत्थ; महम्मि, महस्सिं, महत्थ; मज्झम्मि मज्झस्सिं, मज्झत्थ	अम्हेसु अम्हेसुं; ममेसु, ममेसुं; महेसु, महेसुं; मज्झेसु, मज्झेसुं; ममसु, ममसुं; महुसु, महसुं; मज्झसु, मज्झसुं

संख्यावाचक शब्द

संख्यावाचक शब्दों में अट्ठारस (अष्टादश) संख्यावाचक शब्द तक षष्ठी विभक्ति के बहुवचन में ण्ह और ण्हं प्रत्यय जुड़ते हैं।

FOR PRIVATE & PERSONAL USE ONLY

पुल्लिङ्ग इक्क, एक्क, एग, एअ (एक)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	एगो, एओ, एक्को; एक्कल्लो	एगे, एए; एक्के; एक्कल्ले
वी.–	एगं, एअं; एक्कं, एक्कल्लं	एगे, एगा, एए, एआ; एक्के, एक्का; एक्कल्ले, एक्कल्ला

शेष रूप सव्व शब्द के समान होते हैं।

स्त्रीलिंग एगा, एआ, एक्का, एक्कल्ला (एका)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	एगा, एआ; एक्का, एक्कल्ला	एगाओ, एगाउ, एगा; एआओ, एआउ, एआ; इक्काओ एक्काउ, एक्का; एक्कल्लाओ, एक्कल्ला
वी.–	एगं, एअं एक्कं, एक्कल्लं	एगाओ, एगाउ, एगा; एआओ, एआउ, एआ; एक्काओ, एक्काउ, एक्का, एक्कल्लाओ, एक्कल्ला

शेष रूप सव्वा शब्द के समान होते हैं।

नपुंसकलिंग–एग, एअ, एक्क, एक्कल्ल (एक)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	एगं	एगाइं, एगाइँ, एगाणि
	एअं	एआइं, एआइँ, एआणि
	एक्कं	एक्काइं, एक्काइँ, एक्काणि
	एक्कल्लं	एक्कल्लाइं, एक्कल्लाइँ, एक्कल्लाणि
वी.–	एगं	एगाइं, एगाइँ, एगाणि
	एअं	एआइं, एआइँ, एआणि
	एक्कं	एक्काइं, एक्काइँ, एक्काणि
	एक्कल्लं	एक्कल्लाइं, एक्कल्लाइँ, एक्कल्लाणि
सं.–	हे एग	हे एगाइँ, एगाइं, एगाणि
	हे एअ	हे एआइं, एआइँ, एआणि
	हे एक्क	हे एक्काइं, एक्काइँ, एक्काणि
	हे एक्कल्ल	हे एक्कल्लाइं, एक्कलाइँ, एक्कल्लाणि

शेष रूप पुल्लिंग के समान होते हैं।

FOR PRIVATE & PERSONAL USE ONLY

उभ, उह (उभ)—तीनों लिंगों में

बहुवचन

प.– उभं
वी.– उभे, उभा
त.– उभेहि, उभेहिं, उभेहिँ
च., छ.–उभण्हं, उभण्ह
पं.– उभत्तो, उभाओ, उभाउ, उभाहि, उभाहिन्तो, उभासुन्तो, उभेहि।
स.– उभेसु, उभेसुं

दु, दो. वे (द्वि) तीनों लिंगों में

बहुवचन

प.– दुवे, दोण्णि, दुण्णि, वेण्णि, विण्णि, दो, वे
वी.– दुवे, दोण्णि, दुण्णि, वेण्णि, विण्णि, दो, वे
त.– दोहि-हिं-हिँ; वेहि-हिं-हिँ
च., छ.–दोण्ह, दोण्हं, दुण्ह, दुण्हं; वेण्ह, वेण्हं, विण्ह, विण्हं।
पं.– दुत्तो, दोओ, दोउ, दोहिन्ती, दोसुन्तो; वित्तो, वेओ, वेउ, वेहिन्तो, वेसुन्तो
स.– दोसु, दोसुं, वेसु, वेसुं

ति (त्रि) तीनों लिंगों में

बहुवचन

प.– तिण्णि
वी.– तिण्णि
त.– तीहि, तीहिं, तीहिँ
च., छ.–तीण्ह, तीण्हं
पं.– तित्तो, तीआ, तीउ, तीहिन्तो, तीसुन्तो
स.– तीसु, तीसुं

चउ (चतुर्)—तीनों लिंगों में

बहुवचन

प.– चत्तारो, चउरो, चत्तारि
वी.– चत्तारो, चउरो, चत्तारि
त.– चऊहि, चऊहिं, चऊहिँ

FOR PRIVATE & PERSONAL USE ONLY

च.छ.–चउण्ह, चउण्हं
पं.– चउत्तो, चऊओ, चऊउ, चऊहिन्तो, चऊसुन्तो, चउओ, चउहिन्तो, चउसुन्तो
स.– चऊसु, चऊसुं, चउसु, चउसुं

पंच (पञ्चन्) तीनों लिंगों में

बहुवचन

प.– पंच
वी.– पंच
त.– पंचहि-हिं-हिँ
च.छ.–पंचण्ह, पंचण्हं
पं.– पंचत्तो, पंचाओ, पंचाउ, पंचाहि, पंचाहिन्तो, पंचासुन्तो, पंचेहि
स.– पंचसु, पंचसुं

छ (षट्) तीनों लिंगों में

बहुवचन

प.– छ
वी.– छ
त.– छहि, छहिं, छहिँ
च.छ.–छण्ह, छण्हं
पं.– छओ, छउ, छहिन्तो, छसुन्तो
स.– छसु, छसुं

सत्त (सप्तन्) तीनों लिंगों में

बहुवचन

पं.– सत्त
वी.– सत्त
त.– सत्तहि-हिं-हिँ
च.छ.–सत्तण्ह, सत्तण्हं
पं.– सत्तओ, सत्तउ, सत्तहिन्तो, सत्तसुन्तो
स.– सत्तसु, सत्तसुं

FOR PRIVATE & PERSONAL USE ONLY

अट्ठ (अष्टन्) तीनों लिंगों में

बहुवचन

प.– अट्ठ
वी.– अट्ठ
त.– अट्ठहि-हिं-हिँ
च.छ.–अट्ठण्ह, अट्ठण्हं
पं.– अट्ठाओ, अट्ठाउ, अट्ठाहिन्तो, अट्ठासुन्तो
स.– अट्ठसु, अट्ठसुं

णव, नव (नवन्) तीनों लिंगों में

बहुवचन

प.– णव
वी.– णव
त.– णवहि-हिं-हिँ
च.छ.–णवण्ह, णवण्हं
पं.– णवाओ, णवाउ, णवाहिन्तो, णवासुन्तो
स.– णवसु, णवसुं

दह, दस (दशन्) तीनों लिंगों में

बहुवचन

प.– दह, दस
वी.– दह, दस
त.– दहहि-हिं-हिँ, दसहि-हिं-हिँ
च.छ.–दहण्ह, दहण्हं, दसण्ह, दसण्हं
पं.– दहाओ, दहाउ, दहाहिन्तो, दहासुन्तो; दसाओ, दसाउ, दसाहिन्तो, दसासुन्तो
स.– दहसु, दहसुं; दससु, दससुं

तेरह (त्रयोदश) तीनों लिंगों में

बहुवचन

प.– तेरह
वी.– तेरह

FOR PRIVATE & PERSONAL USE ONLY

त.– तेरहहि-हिं-हिँ
च.छ.–तेरहण्ह, तेरहण्हं
पं.– तेरहओ, तेरहउ, तेरहहिन्तो, तेरहसुन्तो
स.– तेरहसु, तेरहसुं

इसी प्रकार चउद्दह, पण्णरह, सोलह, छद्दह, सत्तरह और अट्ठारह शब्दों के रूप होते हैं।

कइ (कति) तीनों लिंगों में समान

बहुवचन

प.– कइ
वी.– कइ
त.– कईहि-हिं-हिँ
च.छ.–कइण्ह, कइण्हं
पं.– कइत्तो, कईओ, कईउ, कईहिन्तो, कईसुन्तो
स.– कईसु, कईसुं

वीसा (विंशति) तीनों लिगों में

	एकवचन	**बहुवचन**
प.–	वीसा	वीसाओ, वीसाउ, वीसा
वी.–	वीसं	वीसाओ, वीसाउ, वीसा
त.–	वीसाअ, वीसाइ, वीसाए	वीसाहि-हिं-हिँ
च.छ.–	वीसाअ, वीसाइ, वीसाए	वीसाण, वीसाणं,
पं.–	वीसाअ, वीसाइ, वीसाए, वीसत्तो, वीसाओ, वीसाउ, वीसाहिन्तो	वीसत्तो, वीसाओ, वीसाउ, वीसाहिन्तो, वीसासुन्तो
स.–	वीसाअ, वीसाइ, वीसाए	वीसासु, वीसासुं
सं.–	हे वीसा	वीसाओ, वीसाउ, वीसा

इसी प्रकार एगूणवीसा, एगवीसा, दुवीसा, तेवीसा, चउवीसा, पण्णवीसा, छव्वीसा, सत्तवीसा, अट्ठावीसा, एगूणतीसा, तीसा, एगतीसा, दुतीसा, दोतीसा, तेतीसा, चउतीसा, पण्णतीसा, छत्तीसा, सत्ततीसा, अडतीसा, एगूणचत्तालीसा, चत्तालीसा, एगचत्तालीसा, बायाला, तेआलीसा, चउआलीसा, पण्णचत्तालीसा, छचत्तालीसा, सत्तचत्तालीसा, अडआलीसा, एगूणवन्ना, पन्नासा, एगावन्ना, दोवन्ना, तेवन्ना, चउवन्ना, पणवन्ना, छपन्ना, सत्तावन्ना, अट्ठावण्णा एवं अडवन्ना शब्दों के रूप होते हैं।

FOR PRIVATE & PERSONAL USE ONLY

सट्ठि (षष्टि) तीनों लिगों में

	एकवचन	बहुवचन
प.–	सट्ठी	सट्ठीओ, सट्ठीउ, सट्ठी
वी.–	सट्ठिं	सट्ठीओ, सट्ठीउ, सट्ठी
त.–	सट्ठीअ, सट्ठीआ, सट्ठीइ, सट्ठीए	सट्ठीहि-हिं-हिँ
च.छ.–	सट्ठीअ, सट्ठीआ, सट्ठीइ, सट्ठीए	सट्ठीण, सट्ठीणं
पं.–	सट्ठित्तो, सट्ठीअ, सट्ठीआ, सट्ठीइ, सट्ठीए	सट्ठित्तो, सट्ठीओ, सट्ठीउ, सट्ठीहिन्तो, सट्ठीसुन्तो
स.–	सट्ठीअ, सट्ठीआ, सट्ठीइ, सट्ठीए	सट्ठीसु, सट्ठीसुं
सं.–	हे सट्ठि, सट्ठी	हे सट्ठीओ, सट्ठीउ, सट्ठी

इसी प्रकार एगसट्ठि, दोसट्ठि, तेसट्ठि, चउसट्ठि, पणसट्ठि, छसट्ठि, सत्तसट्ठि, अडसट्ठि, एगूणसत्तरि, सत्तरि, सयरी, एगसत्तरि, दोसत्तरि, तेसत्तरि, तेवसत्तरि, चउसत्तरि, चउसयरि, पणसत्तरि, छस्सयरि, सत्तसयरि, अडसयरि, एगूणासीइ, असीइ, एगासीइ, दोसीइ, तेसीइ, चउरासीइ, पणसीइ, छासीइ, सत्तासीइ, सगसीइ, अठासीइ, एगूणणउइ, णवइ, एगणवइ, दोणवइ, तेणवइ, चउणवइ, पंचणवइ, छण्णवइ, सत्ताणवइ, अट्ठाणवइ और नवणवइ शब्दों के रूप होते हैं।

नपुंसकलिंग सय (शत)

	एकवचन	बहुवचन
प.–	सयं	सयाइं, सयाइँ, सयाणि
वी.–	सयं	सयाइं, सयाइँ, सयाणि
सं.–	हे सय	हे सयाइं, सयाइँ, सयाणि

शेष शब्द अकारान्त पुल्लिंग शब्दों के समान होते हैं।

दुसय, तिसय, (त्रिंशत), वेसयाइं-वेसं (द्विशतः), तिण्णि सयाइं-त्रणसें (त्रिंशत), चत्तारिसयाइं-चारसें (चतुश्शत), सहस्स (सहस्र), दहसहस्स (दशसहस्र), अयुअ (अयुत), लक्ख (लक्ष), दहलक्ख (दशलक्ष), पयुअ (प्रयुत), कोडि (कोटि), कोडाकोडि (कोटाकोटि) आदि शब्दों के रूप भी इन्हीं शब्दों के समान होते हैं। सय आदि शब्दों के रूप केवल नपुंसकलिंग में होते हैं, अन्य लिंगों में नहीं।

❑ ❑ ❑

FOR PRIVATE & PERSONAL USE ONLY